पढ़ना है तो जंगल धूसड़ आएं

महाविद्यालय के संस्थापक

विवरणिका

2016-17

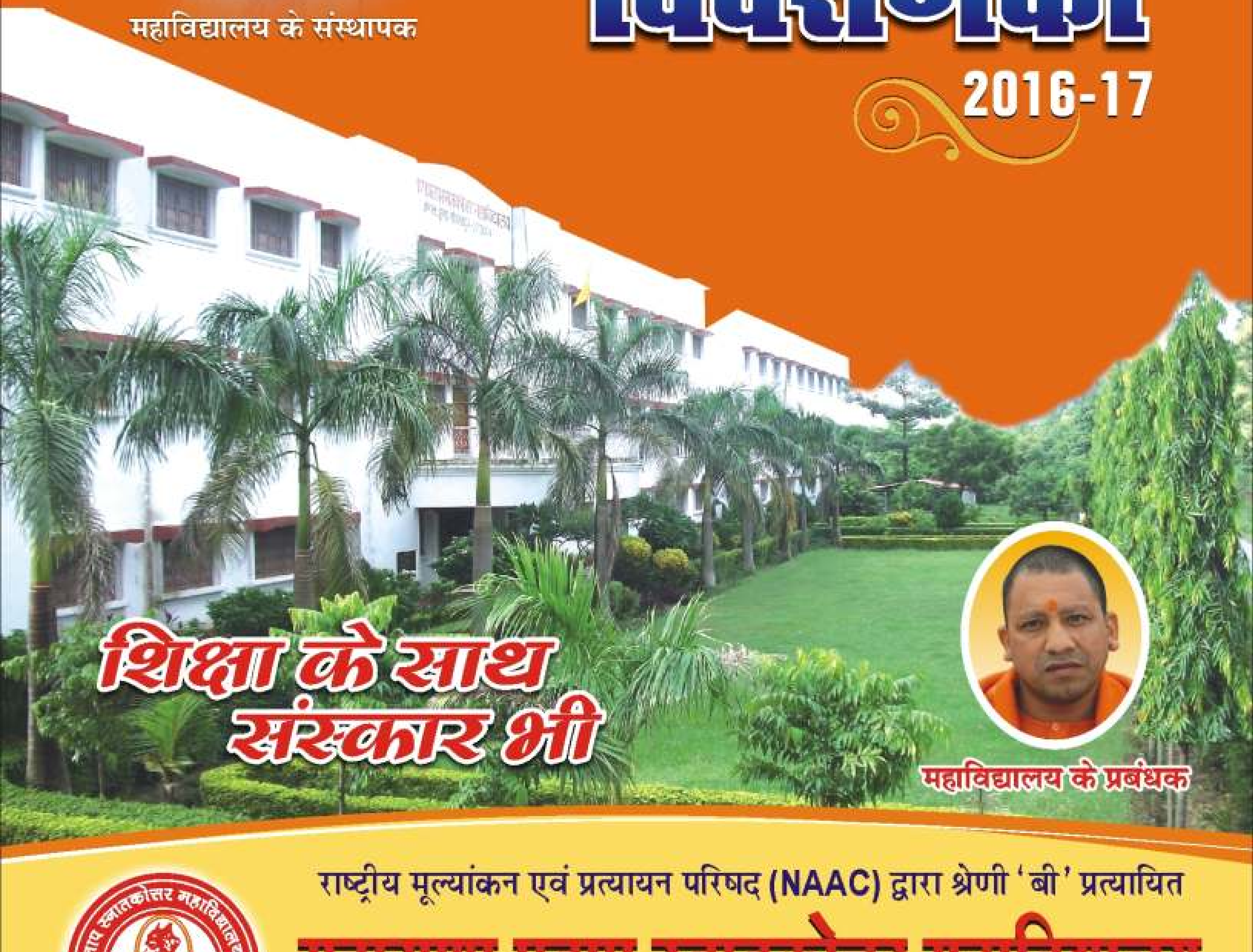

शिक्षा के साथ संस्कार भी

महाविद्यालय के प्रबंधक

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा श्रेणी 'बी' प्रत्यायित

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर–२७३ ०१४ (उ.प्र.)

Web : www.mpm.edu.in | **e-mail :** mpmpg5@gmail.com | **Phone :** 9794299451

हमारे आदर्श

महाराणा प्रताप

स्वदेश, स्वधर्म, स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिये सर्वस्व निछावर करने वाले राष्ट्रनायक परमवीर महाराणा प्रताप का उज्ज्वल प्रदीप्त चरित्र हमारा आदर्श है। मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान् श्रीराम के श्रीमुख से निःसृत-

'जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी'

और पुण्य प्रताप महाराणा प्रताप का यह उद्घोष कि-

'जो हठि राखे धर्म को तिहि राखै करतार'

हमारे सदा स्मरणीय बोधवाक्य हैं। शिक्षा परिषद् और महाविद्यालय को राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप के नाम पर स्थापित करने के पीछे यही स्पष्ट उद्देश्य और प्रयोजन है कि इन संस्थाओं में अध्ययन-अध्यापन करने वाला युवा आधुनिक ज्ञान-विज्ञान एवं कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ अपने देश और समाज के प्रति सहज निष्ठा और अटूट श्रद्धा का पाठ भी पढ़े।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक

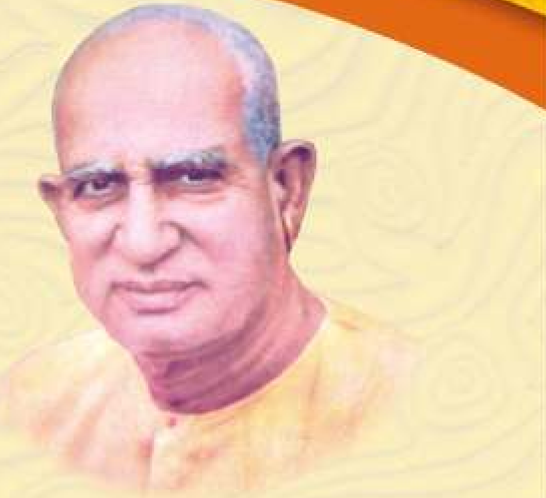

शिक्षा के प्रसार को लोक जागरण और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का सशक्त माध्यम स्वीकार करते हुए युगपुरुष ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश के केन्द्र एवं अपनी कर्मस्थली गोरखपुर में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक की शिक्षण संस्थाओं को संचालित करने हेतु महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की १६३२ ई. में स्थापना कर शिक्षा क्षेत्र में अविस्मरणीय भूमिका की नींव रखी। वर्तमान में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत संचालित साढ़े तीन दर्जन से भी अधिक शिक्षण-संस्थाओं में ३५ हजार से भी अधिक छात्र-छात्रायें कला, विज्ञान, वाणिज्य, साहित्य, चिकित्सा और प्राविधिक विषयों में परम्परागत तथा आधुनिक विषयों की शिक्षा ले रहे हैं।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय के संस्थापक

अपने वरेण्य गुरुदेव युगपुरुष महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के बहुआयामी सपनों को साकार करने में निरन्तर संलग्न सामाजिक समरसता के उद्गाता, राष्ट्रवादी राजनीति के पुरोधा और अप्रतिम धर्मयोद्धा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन पूज्य महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज ने सन् १६३२ ई. में गुरुदेव द्वारा स्थापित 'महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद' को अपनी निष्ठा, सुदीर्घकालीन तपस्या और अनुभव की पूँजी से उत्तरोत्तर समृद्ध, समुन्नत और प्रगतिशील रखते हुए १६५७-५८ ई. में गोरखपुर में वर्तमान विश्वविद्यालय की स्थापना के लिये उदारतापूर्वक विलीनीकृत तत्कालीन महाराणा प्रताप महाविद्यालय को नये रंग रूप में पुनर्जीवित करते हुये उच्च शिक्षा से वंचित ग्रामीण अंचल जंगल धूसड़ में महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना की, जिसने शैक्षणिक गुणवत्ता, संस्कारयुक्त एवं अनुशासित परिसर की स्थापना कर अपनी बेहतरीन साख बनायी है।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्रबन्धक

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के मंत्री एवं महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ के प्रबन्धक गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज की स्पष्ट दृष्टि है कि - महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना के दर्शन एवं लक्ष्य के अनुसार इस संस्था से अध्ययन करने वाला युवा अत्याधुनिक ज्ञान-विज्ञान तथा कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ राष्ट्र एवं समाज के प्रति सहज निष्ठा और श्रद्धा का पाठ पढ़े। भारतीय जीवन दर्शन का वह अनुगामी बनें। उनका कहना है कि प्रगति और परम्परा राष्ट्रीय-सामाजिक विकास रथ के दो पहिये हैं, ऐसे में अत्याधुनिक संसाधनों, सूचना एवं संचार माध्यमों के उपयोग के साथ अध्यापन तथा भारतीय जीवन दर्शन के प्रति श्रद्धा भाव पैदा करना इस महाविद्यालय का मिशन है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्

भारत के स्वाधीनता संग्राम में बाल गंगाधर तिलक का युग समाप्त होते-होते कांग्रेस के नेतृत्व पर प्रश्न चिह्न खड़ा होने लगा था। १९२० ई. के बाद क्रान्तिकारी आन्दोलन ने अलग राह पकड़ी और १९३०-३१ ई. तक आते-आते कांग्रेस के स्पष्ट सहयोग के अभाव में क्रान्तिकारियों का दमन करने में ब्रिटिश हुकूमत सफल रही। १९१५-१६ ई. के बाद इसी काल खण्ड में स्वाधीनता संग्राम की अगुवा कांग्रेस मुस्लिम तुष्टीकरण की भी शिकार हुई। इस युग तक अंग्रेजों द्वारा भारत में अंग्रेजियत में रमे बाबुओं की फौज खड़ी करने की शिक्षा नीति का प्रभाव भी दिखने लगा था। देश के समक्ष एक चुनौती थी कि भारत की नयी पीढ़ी भारतीयता के साँचे में कैसे ढले। अपनी संस्कृति और स्वदेशी दृष्टि से शिक्षा प्रणाली और शिक्षा नीति ही एक मात्र इस चुनौती का समाधान था। इस चुनौती को भी भारतीय मनीषियों ने स्वीकार किया।

महामना मदन मोहन मालवीय के अथक प्रयास से ४ फरवरी १९१६ ई. को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय लोकार्पित हो गया। भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु स्थापित यह विश्वविद्यालय पूरे देश में भारतीय संस्कृति पर आधारित शिक्षा पद्धति का एक नया मानक बना और इसी धारा को तत्कालीन युगपुरुष गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने आगे बढ़ाते हुए १९३२ ई. में गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की नींव रखी। ब्रिटिश हुकूमत को शिक्षा के भी क्षेत्र में भारतीय मनीषियों द्वारा यह कड़ी चुनौती थी कि भारत अपने पैरों पर खड़ा होने में समर्थ है, वह अपना तंत्र, अपनी शिक्षा, अपनी संस्कृति और अपने मूल्यों की पुन: स्थापना अपनी योजनानुसार करेगा। यह दूरदृष्टि थी कि देश जब आजाद होगा तब तक देश की व्यवस्था चलाने हेतु भारतीय पद्धति के शिक्षा संस्थानों से निकले युवाओं की फौज तैयार मिलेगी।

देश पराधीन था। जनता विपन्न थी। ज्ञान कौशल के अभाव में स्वाभिमान और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की चेतना का जागरण दुष्कर था। महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज अपनी संकल्प शक्ति के बल पर आजादी की लड़ाई के एक प्रमुख शस्त्र के रूप में शैक्षिक क्रान्ति के पथ पर भी आगे बढ़े। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत १९३२ ई. में बक्शीपुर में किराये के एक मकान में 'महाराणा प्रताप क्षत्रिय स्कूल' प्रारम्भ हुआ। १९३५ ई. में इसे जूनियर हाईस्कूल की मान्यता मिल गयी और १९३६ ई. में यहाँ हाईस्कूल की पढ़ाई प्रारम्भ की गयी तथा इसका नाम 'महाराणा प्रताप हाई स्कूल' हो गया। इसी बीच महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के अथक प्रयास से गोरखपुर के सिविल लाइन्स में पाँच एकड़ भूमि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् को प्राप्त हो गयी और महाराणा प्रताप हाईस्कूल का केन्द्र सिविल लाइन्स हो गया तथा देश के आजाद होते समय यह विद्यालय महाराणा प्रताप इण्टरमीडिएट कालेज के रूप में प्रतिष्ठित हुआ।

१९४८ ई. में इसी परिसर में महाराणा प्रताप डिग्री कालेज की स्थापना महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का अगला पड़ाव था। अगस्त १९५८ ई. में महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने महाराणा प्रताप डिग्री कालेज एवं महाराणा प्रताप महिला महाविद्यालय को गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु समर्पित किया और विश्वविद्यालय की स्थापना के आधार स्तम्भ बने। वर्तमान गोरखपुर विश्वविद्यालय का वाणिज्य संकाय आज भी उसी महाराणा प्रताप डिग्री कालेज भवन में चल रहा है तथा उसी परिसर में विश्वविद्यालय का एम.बी.ए., शिक्षा शास्त्र एवं वाणिज्य संकाय का नवीन भवन भी स्थित है। तत्पश्चात् महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् ने ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के नाम से वर्तमान दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय की स्थापना की, सम्प्रति यह विश्वविद्यालय परिसर से सटे महानगर का एक अति प्रतिष्ठित महाविद्यालय है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा वर्तमान में साढ़े तीन दर्जन से अधिक शिक्षण संस्थाएँ संचालित हो रही है। इनमें गोरखपुर में महाराणा प्रताप महिला महाविद्यालय रामदत्तपुर, श्री गोरक्षनाथ संस्कृत महाविद्यालय गोरखनाथ, दिग्विजयनाथ एल.टी. प्रशिक्षण महाविद्यालय सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कालेज सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक, महाराणा प्रताप सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल मंगला देवी मन्दिर बेतियाहाता, महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज जंगल धूसड़, श्री गोरक्षनाथ संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोरखनाथ, महाराणा प्रताप कन्या इण्टर कालेज रामदत्तपुर, महाराणा प्रताप कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामदत्तपुर, महाराणा प्रताप शिशु शिक्षा विहार रामदत्तपुर, महाराणा प्रताप जूनियर हाईस्कूल लालडिग्गी, दिग्विजयनाथ इण्टर कालेज चौक माफी पीपीगंज, प्रताप आश्रम गोलघर, महाराणा प्रताप मीराबाई महिला छात्रावास सिविल लाइन्स, महन्त दिग्विजयनाथ महिला छात्रावास सिविल लाइन्स, गुरुगोरक्षनाथ संस्कृत छात्रावास गोरखनाथ, महाराणा प्रताप टेलरिंग स्कूल सिविल लाइन्स, गुरू श्री गोरक्षनाथ स्कूल आफ नर्सिंग गोरखनाथ मन्दिर, महायोगी गुरू गोरक्षनाथ योग संस्थान गोरखनाथ मन्दिर, श्री गोरखनाथ आधुनिक व्यायामशाला गोरखनाथ मन्दिर, योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र जंगल धूसड़, हिन्दू विद्यापीठ जंगल तिनकोनिया, महायोगी गुरू श्री गोरक्षनाथ गौ सेवा केन्द्र गोरखनाथ, गुरू श्री गोरक्षनाथ सेवा संस्थान गोरखनाथ एवं योगिराज बाबा गम्भीर नाथ सेवा आश्रम जंगल धूसड़, गुरु गोरखनाथ विद्यापीठ भरोहिया आदि प्रमुख संस्थाएँ हैं। महाराजगंज में गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ महाविद्यालय, चौक बाजार, दिग्विजयनाथ इण्टर कालेज चौक बाजार, दिग्विजयनाथ पूर्व माध्यमिक कन्या विद्यालय चौक बाजार तथा दिग्विजयनाथ प्राथमिक विद्यालय चौक बाजार प्रमुख शिक्षण संस्थाएँ हैं। शिक्षा परिषद् की एक महत्वपूर्ण संस्था गुरू गोरक्षनाथ संस्कृत विद्यालय मैदागिन, वाराणसी में स्थित है। चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय एवं महन्त दिग्विजयनाथ आयुर्वेदिक चिकित्सालय भी गोरखनाथ मन्दिर द्वारा महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत ही संचालित है। आदिशक्ति माँ पाटेश्वरी पब्लिक स्कूल देवीपाटन मन्दिर, तुलसीपुर का लोकार्पण १२ फरवरी २०१६ को सम्पन्न हुआ। महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़ इसी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित संस्था है।

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय : एक दृष्टि में

महाविद्यालय का लोकार्पण

शिक्षा के प्रयास को लोक जागरण एवं पुनर्निर्माण का सशक्त माध्यम स्वीकार करते हुए युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश के केन्द्र एवं अपनी कर्मस्थली गोरखपुर में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक की शिक्षण संस्थाओं को संचालित करने हेतु महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की १९३२ ई. में स्थापना कर शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अविस्मरणीय भूमिका की नींव रखी। महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा स्थापित शिक्षण संस्थानों की कड़ी का एक महत्वपूर्ण पड़ाव था, जिसने अपने प्रथम सत्र से ही उच्चशिक्षा की अग्रणी शिक्षण संस्थाओं में अपना स्थान बना लिया। गोरखपुर-पिपराइच मार्ग पर महानगर से सटे इस महाविद्यालय की नींव २६ जून, २००४ ई. को गोरक्षपीठाधीश्वर परमपूज्य महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज के कर कमलों द्वारा रखी गयी एवं इस महाविद्यालय का उद्घाटन २६ जून २००५ ई. को पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी द्वारा किया गया।

प्रशासनिक भवन

उद्देश्य

गुणवत्ता युक्त एवं मूल्य आधारित शिक्षा व्यवस्था के एक मानक केन्द्र के रूप में विकसित किये जाने की योजना से स्थापित महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्रथम सत्र से ही छात्र/छात्राओं को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ संस्कार युक्त जीवन एवं भारतीय मूल्यों के प्रति आग्रही बनाने का भगीरथ प्रयास प्रारम्भ कर चुका है। हम इस बात का ध्यान रखकर इस संस्था का वातावरण सृजित कर रहे हैं कि यहाँ अध्ययन करने वाला युवा अपने कैरियर के साथ-साथ देश, समाज एवं परिवार के प्रति अपनी जवाबदेही महसूस करे।

सत्रारम्भ एवं दिनचर्या

महाविद्यालयी कार्य संस्कृति के अनुसार १६ जुलाई से द्वितीय व तृतीय वर्ष तथा एक अगस्त से प्रथम वर्ष की कक्षाएँ प्रारम्भ हो जाती हैं। प्रातः प्रार्थना सभा से पूर्व सभी प्राध्यापक एवं कर्मचारी महाविद्यालय परिसर में अनिवार्य रूप से उपस्थित हो जाते हैं। प्रार्थना, सरस्वती वन्दना, राष्ट्रगान, वन्देमातरम् एवं श्रीमद्भगवत् गीता के पाँच श्लोक का वाचन के साथ कक्षाओं का संचालन प्रारम्भ होता है।

प्रार्थना सभा

उपस्थिति एवं गणवेश

महाविद्यालय द्वारा इस बात का प्रयास किया जाता है कि छात्र/छात्राओं की लगभग ७५ प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित हो और निःसन्देह हम इस कार्य में लगभग सफल रहे हैं। महाविद्यालय में गणवेश लागू है।

आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ की बैठक

छात्रसंघ एवं छात्र सहभागिता

छात्र/छात्राओं में नेतृत्व एवं प्रशासनिक कुशलता के विकास हेतु प्रतिवर्ष छात्रसंघ का चुनाव कराया जाता है। प्रतियोगी परीक्षा एवं उपस्थिति के आधार पर कक्षा प्रतिनिधि चुने जाते हैं। चुने हुए प्रतिनिधियों में से ही अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं महामन्त्री के प्रत्याशी होते हैं जिनका चुनाव महाविद्यालय के संस्थागत छात्र/छात्राओं के मतदान द्वारा सम्पन्न होता है। इसके अतिरिक्त छात्र/छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु

कक्षाध्ययन में छात्र-छात्राएँ

महाविद्यालय द्वारा नियन्ता मण्डल, प्रवेश समिति, पुस्तकालय एवं प्रयोगशाला समिति, खेल विभाग एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि समस्त समितियों में उन्हें सदस्य बना कर उनकी सहभागिता सुनिश्चित की जाती है।

विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की परीक्षा के पूर्व महाविद्यालय द्वारा आन्तरिक परीक्षा करवायी जाती है। इससे छात्र/छात्राओं को विश्वविद्यालय की परीक्षा का पूर्वाभ्यास होता है एवं प्रश्नपत्रों के प्रारूप के विषय में जानकारी प्राप्त होती है। प्रत्येक छात्र/छात्राओं को मूल्यांकन के उपरान्त उनकी उत्तर पुस्तिका दिखायी जाती है एवं सर्वोच्च तीन उत्तर पुस्तिकाओं को पुस्तकालय में छात्र/छात्राओं के अवलोकनार्थ रखा जाता है। विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में प्रत्येक संकाय के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्र/छात्राओं को प्रवेश समिति का सदस्य नामित कर दिया जाता है तथा इसके साथ ही साथ उन्हें प्राध्यापकों के समान पुस्तकीय सुविधा प्रदान की जाती है।

विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा

सूचना एवं परामर्श केन्द्र

महाविद्यालय में सूचना एवं परामर्श केन्द्र का विकास किया गया है जिसमें छात्र/छात्राओं को देश-विदेश के शैक्षिक संस्थाओं के विषय में जानकारी देने के अतिरिक्त मेडिकल, इन्जीनियरिंग, सिविल सर्विसेज जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु समय-समय पर सम्बन्धित विषय विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन की व्यवस्था की जाती है।

रा.से.यो. का सर्वश्रेष्ठ संस्था का दीनदयाल उपाध्याय पुरस्कार

राष्ट्रीय सेवा योजना

भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना महाविद्यालय के प्रारम्भिक सत्र से छात्र/छात्राओं में सामाजिक सेवा के बोध का उन्नयन कर रहा है। महाविद्यालय में दो इकाईयाँ स्वीकृत हैं।

क्रीड़ा

'स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है।' विद्यार्थियों को शारीरिक रुप से स्वस्थ बनाये रखने के उद्देश्य से महाविद्यालय में नियमित रूप से अपरान्ह् तीन बजे के उपरान्त विभिन्न क्रीड़ाओं जैसे-वॉलीबाल, कबड्डी, क्रिकेट, बैडमिंटन इत्यादि का आयोजन किया जाता है। विद्यार्थी अपने रुचि के अनुरूप विभिन्न खेलों में प्राध्यापकों के साथ सहभाग करते हैं।

महाविद्यालय की क्रिकेट टीम

शिक्षक-अभिभावक बैठक

महाविद्यालय में वर्ष में दो बार (०२ अक्टूबर एवं २६ जनवरी) शिक्षक-अभिभावक बैठक होती है।

शिक्षक मूल्यांकन

महाविद्यालय के शिक्षकों का मूल्यांकन 'प्रतिपुष्टि प्रपत्र' के माध्यम से छात्र/छात्राओं द्वारा किया जाता है। उक्त मूल्यांकित प्रपत्र प्राचार्य के अतिरिक्त केवल सम्बन्धित प्राध्यापक को उपलब्ध कराया जाता है।

महाविद्यालय की प्रयोगशाला

स्वैच्छिक श्रमदान

पुरातन छात्र परिषद्

महाविद्यालय में पुरातन छात्र परिषद् का गठन प्रतिवर्ष २ अक्टूबर को किया जाता है। वर्ष में न्यूनतम दो बैठकें/सम्मेलन पुरातन छात्र परिषद् के किये जाते हैं।

स्वैच्छिक श्रमदान

प्रत्येक सप्ताह शनिवार को महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं, कर्मचारी, प्राध्यापक एवं प्राचार्य द्वारा स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है। शनिवार को अन्तिम चार कक्षाएं ४० मिनट की चलाई जाती हैं तथा १२.१० से १.१० बजे तक स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है।

मासिक मूल्यांकन में विद्यार्थी

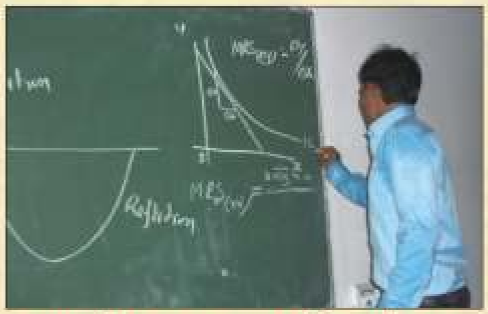

साप्ताहिक कक्षाध्यापन विद्यार्थी द्वारा

साप्ताहिक कक्षाध्यापन

सप्ताह में एक दिन प्राध्यापक की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षायें पढ़ायी जाती हैं। पूर्व निर्धारित विषय पर प्रत्येक विषय में लगभग दस छात्र-छात्राओं की कक्षाध्यापन में सहभागिता का प्रयास किया जाता है। कक्षाध्यापन में विशेष तौर पर वह विषय दिये जाते हैं जो परीक्षा के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण होते हैं।

मासिक मूल्यांकन

प्रत्येक माह के अन्त में प्राध्यापक द्वारा अपने-अपने प्रश्न-पत्र में छात्र-छात्राओं का लिखित परीक्षा विधि से मूल्यांकन किया जाता है।

प्रगति आख्या

विद्यार्थियों के समस्त गतिविधियों का विवरण विभागों द्वारा प्रगति आख्या के माध्यम से प्रति माह तैयार कर बेवसाइट के माध्यम से एवं लिखित रूप में प्रस्तुत किया जाता है। प्रगति आख्या में प्रत्येक छात्र की माहवार उपस्थिति, कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन के अंक का उल्लेख होता है।

पीपीटी पर कक्षाध्यापन विद्यार्थी द्वारा

प्रोजेक्टरयुक्त कक्षाएं

शिक्षण विधि में अत्याधुनिक तकनीकों का प्रयोग किया जाता है। कक्षाध्यापन में आवश्यकतानुसार शिक्षक प्रोजेक्टर का उपयोग करता है। माडल-चार्ट का भी प्रचुरता से उपयोग होता है।

कक्षाओं में सारांश

महाविद्यालय में प्रत्येक दिवस पढ़ाये जाने वाले प्रत्येक प्रश्न-पत्र की कक्षाओं में सम्बन्धित पाठ्यक्रम का एक पृष्ठ लिखित सारांश की छायाप्रति वितरित की जाती है। सारांश में उस कक्षा में पढ़ाये जाने वाले पाठ्यक्रम से सम्बन्धित विषय का सार विभिन्न सन्दर्भ ग्रन्थों की सहायता से दिया जाता है।

शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को गोद लेना

प्रत्येक शिक्षक द्वारा प्रति वर्ष कम से कम पाँच विद्यार्थी गोद लिए जाते हैं। उन पाँच विद्यार्थियों के पठन-पाठन एवं आचरण -व्यवहार की गिनरानी एवं उसमें सुधार का प्रयत्न सम्बन्धित शिक्षक करता हैं

वेबसाइट

महाविद्यालय के पास अपनी अद्यतन वेबसाइट है। महाविद्यालय की समस्त सूचना एवं विद्यार्थियों के विषय में सम्पूर्ण जानकारी महाविद्यालय की बेवसाइट पर उपलब्ध रहती है। विद्यार्थियों की प्रगति आख्या एवं पाठ्यक्रम-योजना बेवसाइट पर अद्यतन रहती है। प्रत्येक विद्यार्थी अपने से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की जानकारी अपने आई.डी. नम्बर के द्वारा वेबसाइट पर प्राप्त कर सकता है।

पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षाएं

महाविद्यालय में प्रत्येक विषय के प्रत्येक प्रश्न-पत्र की पाठ्यक्रम-योजना जुलाई माह में वेबसाइट पर प्रकाशित कर दी जाती है एवं कक्षा संचालन शत-प्रतिशत पाठ्यक्रम योजना के अनुसार किया जाता है। पाठ्यक्रम योजना की प्रति वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

दीवाल पत्रिका

महाविद्यालय में छात्र संघ द्वारा गठित संपादक मण्डल द्वारा दीवाल पत्रिका का प्रतिमाह प्रकाशन होता है। हस्तलिखित लेख, कविता, व्यंग्य, चित्र आदि का संपादन कर उसे प्रत्येक माह के पहले कार्य दिवस पर दीवाल पत्रिका पर लगा दिया जाता है। पत्रिका में कोई भी विद्यार्थी शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक अथवा अन्य विषयों पर अपना लेख छात्र संघ को दीवाल पत्रिका हेतु दे सकता है।

छात्रसंघ की दीवाल पत्रिका

छात्रसंघ पत्रिका चेतक

दीवाल पत्रिका के संकलित प्रस्तुतियों को 'चेतक' पत्रिका में प्रतिवर्ष छात्र संघ द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

विमर्श एवं मानविकी का प्रकाशन

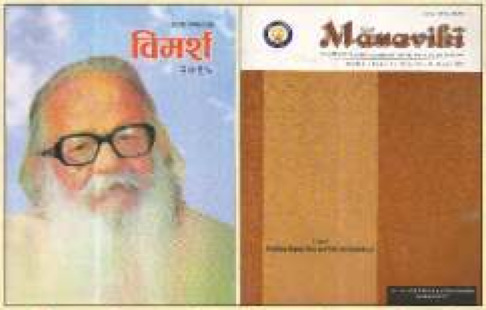

शोध पत्रिका 'विमर्श' एवं 'मानविकी'

महाविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष महाविद्यालय के संस्थापक ब्रह्मलीन राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में आयोजित साप्ताहिक व्याख्यान माला के व्याख्यानों एवं विभिन्न विषयों के शोध पत्रों का प्रकाशन अपनी अन्तर अनुशासनात्मक एवं प्रमाणिक शोध पत्रिका 'विमर्श' के माध्यम से किया जाता है। विमर्श का विमोचन युगपुरूष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की साप्ताहिक पुण्य तिथि समारोह के अवसर पर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में किया जाता है। 'मानविकी' नाम से मानविकी एवं समाज-विज्ञान की अर्धवार्षिक अन्त: अनुशासनात्मक शोधपत्रिका का प्रकाशन भी शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया जाता है।

पुस्तकालय

ऑनलाइन पुस्तकालय

महाविद्यालय का पुस्तकालय ऑनलाइन है। परिणामत: शिक्षक एवं विद्यार्थी विश्व के प्रमुख ग्रन्थालयों से जुड़े रहते हैं और उत्तरोत्तर इसका लाभ उठा रहे हैं। महाविद्यालय के पुस्तकालय में पाठ्यक्रम की पुस्तकों के साथ-साथ भारतीय धर्म एवं संस्कृति से सम्बन्धित पुस्तकों का भी संग्रह किया जाता है। प्रत्येक विद्यार्थी को दो पुस्तकें तथा प्रवेश समिति के सदस्यों, छात्र संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को प्राध्यापकों के समान पुस्तकीय सुविधा दी जाती है।

निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण

जंगल धूसड़ ग्राम के बच्चों को निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान की जाती है। प्रतिदिन उपराहन ०३ से ०४ बजे तक ४०-४० बच्चों के तीन बैच प्रतिवर्ष यह प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं।

कम्प्यूटर का निःशुल्क प्रशिक्षण लेते ग्रामीण बच्चे

योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई केन्द्र

अक्टूबर २०१० ई. से महाविद्यालय में गुरु गोरक्षनाथ सेवा संस्थान के सहयोग से ग्रामीण महिलाओं एवं छात्राओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराने, उन्हें स्वावलम्बी बनाने के उद्देश्य से योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई केन्द्र का संचालन किया जाता है। प्रतिवर्ष ६० महिलाएँ एवं छात्राएँ यह प्रशिक्षण प्राप्त करती हैं। गत सत्र में विशेष योग्यता के आधार पर कक्षा ७ की छात्रा कुमारी अनीता निषाद को गुरु गोरखनाथ सेवा संस्थान की ओर से योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति पुरस्कार के रूप में सिलाई मशीन प्रदान किया गया।

निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र

पुरस्कृत होती छात्रा

निःशुल्क प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

महाविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के आचार-विचार में सेवा एवं संस्कार उत्पन्न करने की दृष्टि से दो प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है।

क- हमारे महापुरुष   ख- जीवन मूल्य

गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र

गुरु गोरक्षनाथ सेवा संस्थान एवं श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के सहयोग से महाविद्यालय द्वारा गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज के नाम से निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र संचालित है। प्रत्येक बुधवार-वृहस्पतिवार को चिकित्सकों की टीम, एम्बुलेंस एवं दवा सहित उपस्थित रहती है। यह सुविधा विद्यार्थियों के साथ-साथ ग्रामवासियों के लिए भी उपलब्ध है।

निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र

गाँव में महाविद्यालय

परिसर शिक्षा के साथ-साथ आस-पास के ग्रामीण अंचलों में भी शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वावलम्बन के प्रति संचेतना पैदा करने के लिए महाविद्यालय के सभी १६ विभागों के शिक्षक-विद्यार्थी प्रतिवर्ष ०४ बार गाँव में जाते हैं। यह तिथि निर्धारित है-

१- अगस्त माह का प्रथम रविवार

२- दशहरा-दीपावली के मध्य का रविवार

३- फरवरी माह का पहला रविवार

४- विश्वविद्यालय परीक्षा पूर्ण होने के बाद का प्रथम रविवार

गाँव में जनजागरण

छात्रावास

योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर से १०० मीटर उत्तर स्थित छात्रों के लिए संचालित इस छात्रावास में निम्न सुविधाएं उपलब्ध हैं-

१. सुरम्य प्राकृतिक छत्रछाया से आच्छादित भव्य परिसर।
२. आध्यात्मिक एवं सात्विक वातावरण।
३. विद्युत एवं जनरेटर की सुविधा।
४. पुस्तकालय एवं वाचनालय।
५. व्याख्यान/सेमिनार कक्ष।
६. वाह्य एवं आन्तरिक खेल-कूद की सम्यक व्यवस्था।
७. शुद्ध पेय जल की व्यवस्था।
८. अनुशासन एवं सुरक्षा।
९. प्राथमिक उपचार की व्यवस्था एवं बुलावे पर २० मिनट के अंदर गुरु श्री गोरखनाथ चिकित्सालय द्वारा एम्बुलेंस सहित चिकित्सा सुविधा।
१०. पठन-पाठन की निरन्तर निगरानी।
११. निरन्तर देख-रेख में घर की तरह भोजनालय।

छात्रावास लोकार्पण के अवसर पर मा. राज्यपाल, श्री राम नाईक जी

छात्रावास नियमावली का लोकार्पण

प्रवेश सम्बन्धी नियम

- सामान्यतया महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित किसी भी संस्था का स्नातक-स्नातकोत्तर विद्यार्थी प्रवेश ले सकता है।
- स्थान रिक्त होने पर किसी भी संस्था के विद्यार्थी को प्रबन्धक महोदय की अनुमति पर छात्रावास आवंटित किया जायेगा।
- आवेदन पत्र महाविद्यालय कार्यालय से किसी भी कार्यादिवस में प्रात: १० बजे से ३ बजे के मध्य प्राप्त कर उसे पूर्णरूप से भर कर महाविद्यालय कार्यालय में ही निर्धारित तिथि तक जमा करना अनिवार्य होगा।
- साक्षात्कार के लिए निर्धारित तिथि एवं समय पर अभिभावक एवं विद्यार्थी दोनों की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- छात्रावास आवंटन तिथि से १५ दिन के अंदर छात्रावास में उपस्थिति अनिवार्य होगी, अन्यथा आवंटन निरस्त माना जायेगा।
- सामान्यतया १५ जुलाई से १५ मई तक छात्रावास में आवासीय सुविधा प्राप्त होगी।

वार्षिक शुल्क विवरण

प्रवेश शुल्क	१००/-	पुस्तकालय एवं वाचनालय शुल्क	१२००/-
कक्ष शुल्क	२४००/-	सेवा शुल्क	४०००/-
विद्युत शुल्क	२४००/-	रख-रखाव शुल्क	१४००/-
सम्पूर्ण योग - ११५००/-			

११५००/- वार्षिक शुल्क एक साथ छात्रावास प्रवेश के समय जमा करना होगा।

भोजन शुल्क

भोजन एवं जलपान शुल्क प्रति पाली 30 रू. अर्थात् प्रतिदिन 60 रू. (1800 सौ रू. प्रतिमाह) होगा। छात्रावासियों द्वारा अतिरिक्त मांग पर अतिरिक्त व्यय देय होगा। छात्रावासी भोजन की सुनिश्चित/घोषित सामग्री एवं उसकी गुणवत्ता का निरन्तर परीक्षण कर सकते हैं। स्वच्छता छात्रावास-भोजनालय की विशेषता होगा। छात्रावास-प्रशासन स्वच्छता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करेगा तथा छात्रावासी भी इसे बनाये रखने में सहयोग करने हेतु छात्रावास प्रभारी के माध्यम से अधिकृत होंगे।

हमारे पाठ्यक्रम

स्नातक (B.A./B.Sc./B.Com./B.Ed.)

कला संकाय : निम्न विषय समूह उपलब्ध हैं। प्रत्येक वर्ग से केवल एक विषय लिया जा सकता है-

ग्रुप 'ए'	समाजशास्त्र/भूगोल/मनोविज्ञान/रक्षा अध्ययन/गृह विज्ञान
ग्रुप 'बी'	प्राचीन इतिहास/इतिहास/अंग्रेजी/संस्कृत/गणित
ग्रुप 'सी'	राजनीतिशास्त्र/अर्थशास्त्र/हिन्दी/शिक्षाशास्त्र

बी.ए. भाग-3 में पढ़े गये तीनों विषयों में से कोई दो विषय पढ़ना होगा।

विज्ञान संकाय : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के अध्यादेश १९९५ के अनुसार विज्ञान संकाय में निम्न विषय संयुक्तियाँ उपलब्ध एवं स्वीकृत हैं।

ग्रुप 'ए'	गणित	भौतिकी	रसायनशास्त्र/रक्षाअध्ययन/इलेक्ट्रानिक्स/सांख्यिकी/भूगोल/मनोविज्ञान/कम्प्यूटर साइंस
ग्रुप 'बी'	गणित	सांख्यिकी	भूगोल/मनोविज्ञान
ग्रुप 'सी'	गणित	रसायनशास्त्र	इलेक्ट्रानिक्स/सांख्यिकी/मनोविज्ञान
ग्रुप 'डी'	प्राणिविज्ञान	वनस्पतिविज्ञान	रसायन शास्त्र/भूगोल/मनोविज्ञान/रक्षाअध्ययन
ग्रुप 'ई'	प्राणिविज्ञान	रसायनशास्त्र	मनोविज्ञान/भूगोल
ग्रुप 'एफ'	वनस्पतिविज्ञान	रसायनशास्त्र	मनोविज्ञान/भूगोल

उपर्युक्त ग्रुप में से कोई एक ही ग्रुप लिया जा सकता है।

वाणिज्य संकाय :

बी.काम. भाग-एक

ग्रुप 'ए' - राष्ट्रगौरव

ग्रुप 'बी' - लेखांकन एवं सांख्यिकी

प्रथम प्रश्नपत्र : वित्तीय लेखांकन

द्वितीय प्रश्नपत्र : व्यावसायिक सांख्यिकी

ग्रुप 'सी' - व्यावसायिक प्रशासन

प्रथम प्रश्नपत्र : प्रबन्ध के सिद्धान्त

द्वितीय प्रश्नपत्र : व्यावसायिक संचार

ग्रुप 'डी' - आर्थिक एवं राजकोषीय प्रशासन

प्रथम प्रश्नपत्र : व्यावसायिक अर्थशास्त्र

द्वितीय प्रश्नपत्र : मुद्रा एवं वित्तीय प्रणाली

बी.काम. भाग-दो

ग्रुप 'ए' - लेखांकन एवं सांख्यिकी

प्रथम प्रश्नपत्र : लागत लेखांकन एवं अंकेक्षण

द्वितीय प्रश्नपत्र : आयकर

ग्रुप 'बी' - व्यावसायिक प्रशासन

प्रथम प्रश्नपत्र : व्यावसायिक नियामक ढांचा

द्वितीय प्रश्नपत्र : कम्पनी अधिनियम

ग्रुप 'सी' - आर्थिक एवं राजकोषीय प्रशासन

प्रथम प्रश्नपत्र : व्यावसायिक पर्यावरण

द्वितीय प्रश्नपत्र : उद्यमिता के मूल आधार

बी.काम. भाग-तीन

अभ्यर्थी तीन विषयों में से किन्हीं दो विषयों का चुनाव करेंगे-

विषय-I : लेखांकन एवं सांख्यिकी

इस विषय से सम्बन्धित ग्रुप नीचे दिया गया है, अभ्यर्थी को इन दो ग्रुपों में से एक ग्रुप का चयन करना है :

ग्रुप 'ए'

प्रथम प्रश्नपत्र : निगमीय लेखांकन

द्वितीय प्रश्नपत्र : वित्तीय विवरण विश्लेषण

तृतीय प्रश्नपत्र : उच्चतर अंकेक्षण

अथवा

ग्रुप 'बी'

प्रथम प्रश्नपत्र : वित्तीय विवरण विश्लेषण

द्वितीय प्रश्नपत्र : वित्तीय प्रबन्ध के मूलाधार

तृतीय प्रश्नपत्र : वित्तीय बाजार की क्रियाएं

विषय-II : व्यावसायिक प्रशासन

इस विषय से सम्बन्धित ग्रुप नीचे दिया गया है, अभ्यर्थी को इन तीन ग्रुपों में से एक ग्रुप का चयन करना है :

ग्रुप 'सी'

प्रथम प्रश्नपत्र : सेवर्गीय प्रबन्ध के सिद्धान्त

द्वितीय प्रश्नपत्र : भारत में श्रम अधिनियम

तृतीय प्रश्नपत्र : औद्योगिक सम्बन्ध

अथवा

ग्रुप 'डी'

प्रथम प्रश्नपत्र : विपणन के सिद्धान्त

द्वितीय प्रश्नपत्र : विज्ञापन और विक्रय सम्वर्द्धन

तृतीय प्रश्नपत्र : भारत में विपणन व्यवहार

अथवा

ग्रुप-'इ'

प्रथम प्रश्नपत्र : सूचना प्रौद्योगिकी एवं व्यावसायिक प्रयोग

द्वितीय प्रश्नपत्र : व्यावसायिक गणित

तृतीय प्रश्नपत्र : बीमांकिक विज्ञान के तत्त्व

विषय-III : आर्थिक एवं राजकोषीय प्रशासन

इन तीन ग्रुपों में से एक ग्रुप का चयन करना है :

ग्रुप 'एफ'

प्रथम प्रश्नपत्र	:	अप्रत्यक्ष कर
द्वितीय प्रश्नपत्र	:	भारतीय बैंकिंग प्रणाली
तृतीय प्रश्नपत्र	:	सार्वजनिक वित्त

अथवा

ग्रुप 'जी'

प्रथम प्रश्नपत्र	:	बीमा के मूलाधार
द्वितीय प्रश्नपत्र	:	बीमा प्रबन्धन
तृतीय प्रश्नपत्र	:	वैधानिक बीमा प्रारूप

अथवा

ग्रुप-'एच'

प्रथम प्रश्नपत्र	:	अन्तर्राष्ट्रीय व्यावसायिक पर्यावरण
द्वितीय प्रश्नपत्र	:	भारतीय विदेशी व्यापार एवं नीति
तृतीय प्रश्नपत्र	:	आयात निर्यात प्रक्रिया एवं अभिलेखीकरण

कम्प्यूटर व लेखांकन प्रशिक्षण प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम बी.काम. एवं एम.काम. के लिए

महानगर की क्षेत्रीय एंव व्यावसायिक आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए वाणिज्य विभाग, महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर द्वारा बी.काम. (स्नातक-वाणिज्य) तथा एम.काम. (परास्नातक-वाणिज्य) के सभी छात्रों के लिए अनिवार्य रूप से कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण पत्र एवं लेखांकन प्रशिक्षण प्रमाण पत्र कार्यक्रम संचालित किया जाता है।

कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण पत्र के अन्तर्गत पाँच प्रमाण पत्र कार्यक्रम संचालित किये जाएंगे -

1. **कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण पत्र-A (बी.काम. भाग-एक)**

Fundamentals of Computer

Unit	1	Introduction to Computer.
Unit	2	Elements of Word Processing.
Unit	3	Making Small Presentations.
Unit	4	Spread Sheet (MS-Excell).
Unit	5	Computer Communication and Internet .
Unit	6	WWW and Web Power.
Unit	7	Communication and Collaboration.

Fundamentals of Accounting

Unit	1	Meaning, Definition, Development and Objectives of Accounting.
Unit	2	Principles of Accounting.
Unit	3	Meaning and Principles of Double Entry System.
Unit	4	Books of Original Entry, Ledger, Trail Balance and its Errors.
Unit	5	Depreciation and Methods.
Unit	6	Trading, Profit and Loss Account and Balance Sheet.
Unit	7	Provision, Reserves and Funds.
Unit	8	Accounting for Non-Profit Organisation.

2. कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण पत्र-B (बी.काम. भाग-दो)

Tally 9.0 (Accounting Software)

Unit	1	Introduction of Tally 9.0
Unit	2	Creation and Customization of Company
Unit	3	Creation of Master Head
Unit	4	Vouchers
Unit	5	Payroll
Unit	6	Inventory Control
Unit	7	TDS and TCS
Unit	8	Service Tax
Unit	9	CST (Central Sales Tax)
Unit	10	Excise Duty
Unit	11	Fringe Benefit Tax
Unit	12	VAT (Value Added Tax)

3. कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण पत्र-C (बी.काम. भाग-तीन)

Fundamentals of Accounting

Unit	1	Vouching
Unit	2	Filing
Unit	3	Letter Writing
Unit	4	Auditing
Unit	5	Practical Accounting on Accounting Software

4. कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण पत्र-D (एम.काम. प्रथम वर्ष)

Fundamentals of Accounting and Computer

Unit	1	Introduction to Computer.
Unit	2	Elements of word Processing.
Unit	3	Making Small Presentation.
Unit	4	Spread Sheet (MS Excel).
Unit	5	Principles of Accounting & Double Entry System.
Unit	6	Books of Original Entry, Ledger, Trial Balance & its Error.
Unit	7	Depreciation, Provisions & Adjustments.
Unit	8	Preparation of Financial Statements.

5. कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण पत्र-E (एम.काम. अन्तिम वर्ष)

(Accounting Software Fundamental & Practical Implication)

Unit	1	Introduction to Tally 9.0
Unit	2	Creation and Customization of Company
Unit	3	Creation of Master Head
Unit	4	Vouchers, Payroll, Inventory Control
Unit	5	TDS and TCS, Service Tax
Unit	6	Practical Accounting and official Procedures : Vouching, Filing, Letter Writing, Auditing, Practical Accounting on Accounting Software

बी.एड्.

सीट - 100

Year	Course			Maximum Marks	Internal	External
1st Year	Course I	:	Knowledge and Curriculum	100	20	80
	Course II	:	Childhood and Growing Up	100	20	80
	Course III	:	Contemporary India and Education	100	20	80
	Course IV	:	Educational Administration and Management	100	20	80
	Practical Activities					
	(A) Reading and Reflecting on Texts					
	(B) Micro Teaching and Lesson Planning			50	10	40
	(C) Understanding the Self			50	10	40
	(D) Drama, Art and Music in Education			50	10	40
			Total	**600**	**120**	**480**
2nd Year	Course V	:	Teaching and Learning	100	20	80
	Course VI	:	Pedagogy of School Subject-I*	100	-	100
	Course VII	:	Pedagogy of School Subject-II*	100	-	100
	Course VIII	:	Population Education and Environmental Education	100	20	80
	Practical Activities					
	Course VII	:	School Internship	200	40	160
			Total	**600**	**80**	**520**
			Grand Total	**1200**	**200**	**1000**

परास्नातक (M.A./M.Com./M.Sc.)

(परास्नातक सभी विषयों में प्रवेश हेतु स्नातक स्तर पर न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है)

प्राचीन इतिहास

सीट - 120

प्रथम वर्ष	प्रथम प्रश्नपत्र	-	प्राचीन भारत का राजनैतिक इतिहास 600 बी.सी.ई. से 550 सी.ई. तक।
	द्वितीय प्रश्नपत्र	-	प्राचीन भारत का राजनैतिक इतिहास 550 सी.ई. से 950 सी.ई. तक।
	तृतीय प्रश्नपत्र	-	प्राक् एवं पुरा इतिहास
	चतुर्थ प्रश्नपत्र	-	प्राचीन भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास
	पंचम प्रश्नपत्र	-	इतिहास दर्शन

अंतिम वर्ष

ग्रुप 'ए'
1. ब्राह्मणीय धर्म एवं दर्शन
2. बौद्ध तथा जैन धर्म एवं दर्शन

ग्रुप 'बी'
1. सौन्दर्य शास्त्र एवं वास्तु कला
2. प्रतिमा विज्ञान एवं मूर्ति कला

ग्रुप 'सी'
1. विश्व पुरातत्त्व का एक सर्वेक्षण
2. पुरातत्त्व में प्रविधि एवं सिद्धान्त

ग्रुप 'डी'
1. प्राचीन भारतीय मुद्रा शास्त्र
2. प्राचीन भारतीय लिपि एवं अभिलेखिकी

(उपरोक्त चारों ग्रुपों में से कोई दो ग्रुप ही एक साथ लिये जा सकते हैं)

मौखिकी - 100 अंक का प्रत्येक विद्यार्थी के लिए मौखिकी परीक्षा अनिवार्य होगा।

राजनीतिशास्त्र — सीट - 60

प्रथम वर्ष

- प्रथम प्रश्नपत्र - समकालीन राजनीतिक चिन्तन (प्लेटो से बर्क तक)
- द्वितीय प्रश्नपत्र - तुलनात्मक शासन एवं राजनीति
- तृतीय प्रश्नपत्र - आधुनिक लोक प्रशासन
- चतुर्थ प्रश्नपत्र - संवैधानिक विकास एवं भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन

अंतिम वर्ष

- प्रथम प्रश्नपत्र - समकालीन राजनीतिक चिन्तन (बेन्थम से अब तक)
- द्वितीय प्रश्नपत्र - अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति
- तृतीय प्रश्नपत्र - भारतीय शासन एवं राजनीति
- चतुर्थ प्रश्नपत्र - प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन *अथवा* दक्षिण एशिया राजनीतिक व्यवस्था *अथवा* भारतीय प्रशासन *अथवा* अन्तर्राष्ट्रीय विधि
- पंचम प्रश्नपत्र - आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिन्तन *अथवा* भारत और विश्व मामले *अथवा* स्थानीय आधुनिक सरकारें-यू.एस.ए., यू.के., फ्रांस और भारत *अथवा* अन्तर्राष्ट्रीय संगठन

वाणिज्य — सीट - 60

प्रथम वर्ष

अनिवार्य प्रश्नपत्र
1. संगठनात्मक व्यवहार
2. प्रबन्धकीय अर्थशास्त्र
3. व्यवसायिक पर्यावरण
4. संख्यात्मक तकनीकी एवं शोध प्रविधि

वैकल्पिक प्रश्न पत्र - निम्न प्रश्नपत्रों में से दो प्रश्नपत्रों का ही चयन किया जा सकता है -
5. वित्तीय प्रबन्ध
6. विपणन प्रबन्ध
7. मानव संसाधान प्रबन्ध

अंतिम वर्ष

अनिवार्य प्रश्नपत्र
1. प्रबन्धकीय निणयन हेतु लेखांकन
2. व्यूह रचनात्मक प्रबन्ध
3. मौखिकी

वैकल्पिक ग्रुप - निम्न में से एक ग्रुप का चयन करें-

ग्रुप 'ए' - वित्त एवं लेखांकन

प्रथम प्रश्नपत्र : वित्तीय बाजार एवं संस्थायें
द्वितीय प्रश्नपत्र : निगमीय कर नियोजन एवं प्रबन्धन
तृतीय प्रश्नपत्र : प्रतिभूति विश्लेषण एवं पोर्टफोलियो प्रबन्धन

ग्रुप 'बी' - विपणन

प्रथम प्रश्नपत्र : विज्ञापन एवं विक्रय प्रबन्धन
द्वितीय प्रश्नपत्र : उपभोक्ता व्यवहार एवं विपणन शोध
तृतीय प्रश्नपत्र : अन्तर्राष्ट्रीय विपणन

ग्रुप 'सी' - मानव संसाधन प्रबन्धन

प्रथम प्रश्नपत्र : मानव संसाधन विकास
द्वितीय प्रश्नपत्र : मजदूरी और वेतन प्रशासन शोध
तृतीय प्रश्नपत्र : श्रम कल्याण एवं औद्योगिक सम्बन्ध

ग्रुप 'डी' - कम्प्यूटर अनुप्रयोग

प्रथम प्रश्नपत्र : व्यवसाय में कम्प्यूटर अनुप्रयोग
द्वितीय प्रश्नपत्र : डाटाबेस प्रबन्धन प्रणाली
तृतीय प्रश्नपत्र : प्रबन्ध सूचना प्रणाली और प्रणाली विश्लेषण

ग्रुप 'ई' - आर्थिक प्रशासन

प्रथम प्रश्नपत्र : मौद्रिक अर्थशास्त्र
द्वितीय प्रश्नपत्र : औद्योगिक संवृद्धि का अर्थशास्त्र
तृतीय प्रश्नपत्र : सार्वजनिक वित्त

Chemistry
सीट - 30

Previous

I- Semester

Paper - I Molecular Symmetry and Molecular Vibrations
Paper - II Physical Chemistry (Quantum Chemistry-I)
Paper - III Inorganic Chemistry (Main Group Elements)
Paper - IV Organic Reaction Mechanism
*Practical

II-Semester

Paper - I Analytical Chemistry
Paper - II Physical Chemistry (Thermodynamics and Electrochemistry)
Paper - III Inorganic Chemistry (Transition Elements)
Paper - IV Natural Products
* Practical

Final

IIIrd Semester

Paper - I	Spectroscopy - I
Paper - II (C)	Organic Chemistry (Stereochemistry)
Paper - III (C)	Pericyclic and Rearrangement Reactions
Paper - IV (C)	Biomolecules
* Practical	

IV-Semester

Paper - I	Spectroscopy-II
Paper - II(C)	Organic Synthesis
Paper - III(C)	Selected Topics in Organic Chemistry
Paper - IV (C)	Drugs and Agrochemicals
* Practical	

शुल्क विवरण

स्नातक कला (B.A.)	-	₹ 4,000
स्नातक कला प्रयोगात्मक विषय (B.A.)	-	₹ 4,500
स्नातक वाणिज्य (B.Com.)	-	₹ 9,000
स्नातक विज्ञान (B.Sc.)	-	₹ 10,000
परास्नातक (M.A.)	-	₹ 6,000
परास्नातक (M.Com.)	-	₹ 10,000
परास्नातक (M.Sc.)	-	₹ 20,000

विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित परीक्षा शुल्क अलग से परीक्षा आवेदन-पत्र के साथ देना होगा।

प्रवेश नियमावली

१. प्रवेश आवेदन पत्र ऑनलाइन/ऑफ लाइन दोनों प्रकार से भरा जा सकता है। ऑन लाईन प्रवेश आवेदन पत्र भरकर आवेदन पत्र की प्रति १५० रू. शुल्क के साथ महाविद्यालय के कार्यालय में जमा किया जा सकता है। प्रवेश आवेदन पत्र प्रत्येक कार्य दिवस में महाविद्यालय कार्यालय से २०० रू. में प्राप्त किया जा सकता है।

२. आवेदन पत्र को विवरणिका से अलग कर बाल पेन से साफ अक्षरों में भरकर तथा आनलाइन प्रवेश फार्म की प्रति नकद 150 रू. के साथ महाविद्यालय कार्यालय में ३० जून तक जमा कर दें। ३० जून के बाद प्राप्त आवेदन-पत्र के प्रवेश दूसरी सूची में (जगह बचने पर) होगा। आवेदन पत्र डाक से भी भेज सकते हैं। किन्तु डाक से आवेदन पत्र प्राप्त न होने पर महाविद्यालय की जिम्मेवारी नहीं होगी।

३. आवेदन पत्र (ऑन लाइन/ऑफ लाइन) के साथ किसी भी प्रकार के प्रमाण पत्र/अंक पत्र की छाया प्रति न लगावें। मात्र आवेदन पत्र पूर्ण रूप से भरकर जमा करें। प्रवेश सूची में नाम आने पर साक्षात्कार हेतु उपस्थित होते समय एक फोटो, सभी प्रमाण पत्रों/ अंक पत्रों की मूल प्रति एवं छाया प्रति, स्थानान्तरण प्रमाण पत्र, प्रव्रजन (माइग्रेशन) प्रमाण पत्र तथा सम्पूर्ण शुल्क साथ लेकर आवें। प्रवेश स्वीकृत होने पर आवेदन पत्र के साथ छाया प्रति लगाना एवं प्रवेश शुल्क तुरन्त जमा करना आवश्यक होगा।

४. आवेदन पत्र में विषय समझकर भरें। एक बार प्रवेश हो जाने के बाद विषयों में परिवर्तन नहीं होगा।

५. प्रवेश हेतु साक्षात्कार के समय वर्ग एवं विषय आदि के चयन हेतु सुझाव भी दिये जायेंगे। यदि छात्र/छात्रा विषय स्वयं न तय कर सके तो आवेदन पत्र में न भरे।

६. प्रवेश साक्षात्कार के द्वारा छात्र के मूल्यांकन के आधार पर होगा। साक्षात्कार हेतु इन्टरमीडिएट परीक्षा प्राप्तांक के श्रेष्ठता क्रम में बुलाया जायेगा। उक्त श्रेष्ठता सूची में नाम होने का यह कदापि अर्थ नहीं होगा कि छात्र प्रवेश हेतु अर्ह है।

७. इण्टरमीडिएट की परीक्षा व्यावसायिक वर्ग से उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थियों की श्रेष्ठता सूची सैद्धान्तिक विषयों के प्राप्तांक के आधार पर निर्धारित होगी, इसमें प्रायोगिक अंक सम्मिलित नहीं होंगे। यू.पी. बोर्ड एवं केन्द्रीय बोर्ड के प्राप्तांकों में समानता लाने हेतु समान स्तर का सिद्धांत लागू किया जा सकता है।

८. एक संकाय में प्रवेश हेतु पंजीकृत आवेदन-पत्र किसी भी दशा में अन्य संकाय में स्थानान्तरित नहीं किया जायेगा। यदि कोई छात्र एक ही साथ कई संकायों में प्रवेश हेतु आवेदन करना चाहें तो अलग-अलग संकायों के लिए अलग-अलग आवेदन करना होगा।

९. भूगोल विषय वे लोग ले सकते हैं जिन्होंने इण्टर में भूगोल पढ़ा हो अथवा इण्टर परीक्षा विज्ञान या कृषि से उत्तीर्ण किया हो।

१०. सभी संकायों में प्रतिदेय अधिप्रतिनिधित्व तथा आरक्षण सरकार एवं गोरखपुर विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार होगा। प्रवन्ध समिति के द्वारा महाविद्यालय हित में तय किये गये आरक्षण भी मान्य होगे।

११. साक्षात्कार हेतु श्रेष्ठता सूची ०५ जुलाई को महाविद्यालय के सूचना पट्ट पर प्रकाशित कर दी जायेगी।

१२. श्रेष्ठता सूची में घोषित अभ्यर्थी को निर्धारित तिथि पर साक्षात्कार हेतु प्रवेश समिति के समक्ष उपस्थित होना होगा।

१३. साक्षात्कार के पश्चात् चयनित अभ्यर्थी यदि उसी दिन निर्धारित शुल्क जमा नहीं करते हैं तो प्रवेश के लिये उसका चयन निरस्त माना जायेगा।

१४. कोई भी संस्थागत छात्र सम्बन्धित सत्र में प्रवेश से लेकर परीक्षा की अन्तिम तिथि तक ही संस्था का छात्र माना जायेगा।

आग्रह

- किसी भी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए लिया गया शुल्क किसी अन्य पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए न तो समायोजित होगा और न ही वापस होगा। प्रत्येक छात्र/छात्रा को उसके द्वारा जमा की गयी धनराशि की रसीद दी जायेगी।
- प्रत्येक छात्र/छात्रा को प्रति वर्ष परिचय पत्र में उनकी चरित्र पंजिका दी जायेगी। जिसमें उनकी उपलब्धियों, व्यवहार, उपस्थिति, सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित अन्य सामाजिक गतिविधियों का प्रमाणिक विवरण होगा। उक्त चरित्र-पंजिका को छात्र/छात्रा कहीं भी प्रमाण-पत्र के रूप में प्रस्तुत कर सकेंगे। महाविद्यालय द्वारा 'विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा' करायी जायेगी, जिसमें समान्यतः उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा। यह परीक्षा विश्वविद्यालय परीक्षा की तैयारी के लिये करायी जाती है।

- स्वतंत्रता दिवस (१५ अगस्त) एवं गणतंत्र दिवस (२६ जनवरी) पर महाविद्यालय के समारोह में उपस्थित होना अनिवार्य होगा। अनुपस्थित होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी।
- ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं ब्रह्मलीन राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की पुण्यतिथि सप्ताह समारोह तथा महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक समारोह के उद्‌घाटन (०४ दिसम्बर) एवं समापन समारोह (१० दिसम्बर) में प्रत्येक छात्र/छात्रा की उपस्थिति अनिवार्य होगी। ०४ दिसम्बर को अनुपस्थित रहने पर १०० रू. अर्थ दण्ड देना होगा।
- स्नातक तृतीय वर्ष एवं पी.जी. अन्तिम वर्ष के विद्यार्थियों की समावर्तन समारोह में उपस्थिति अनिवार्य होगी। अनुपस्थित रहने पर १०० रु. अर्थ दण्ड देना होगा।

पुस्तकालय

महाविद्यलय में नामांकित प्रत्येक छात्र/छात्रा नियमानुसार पुस्तकालय से पुस्तक प्राप्त करने का अधिकारी होगा जिसके लिए आवश्यक औपचारिकतायें अभ्यर्थी को पूर्ण करनी होगी। एन-लिस्ट की सदस्यता निःशुल्क दी जाएगी।

छात्रावास

छात्रों के लिए महाविद्यालय परिसर में योगिराज बाबा गम्भीरनाथ छात्रावास में ४० छात्रों की आवासीय सुविधा है। महाविद्यालय की छात्राओं के लिए सीमित संख्या में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित महाराणा प्रताप मीराबाई महिला छात्रावास, सिविल लाइन्स, गोरखपुर तथा महाविद्यालय द्वारा संचालित जंगल धूसड़ में आवासीय सुविधा उपलब्ध है। छात्र-छात्राओं को उनकी आवश्यकता, शैक्षिक योग्यता और उनके पैतृक स्थान से दूरी के आधार पर वरीयता क्रम में छात्रावास आवंटित होगा।

छात्रवृत्तियाँ

- राज्य सरकार से प्राप्त विभिन्न छात्रवृत्तियाँ नियमानुसार देय होंगी।
- महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की ओर से योग्यता के आधार पर प्रत्येक कक्षा में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को प्रति वर्ष १० दिसम्बर को योग्यता छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। महाविद्यालय के प्रत्येक संकाय में प्रथम स्थान प्राप्त छात्र/छात्राओं को प्रतिवर्ष १० दिसम्बर को पुरस्कृत किया जाता है।
- महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा प्रतिवर्ष १० दिसम्बर को निम्न पुरस्कार दिए जाते हैं –
  - क- स्नातक अन्तिम वर्ष के सर्वोच्च अंक प्राप्त विद्यार्थी को स्व. रामलखन चौधरी स्मृति पुरस्कार – प्रमाण-पत्र के साथ रू. २१०० नकद।
  - ख- स्नातकोत्तर अन्तिम वर्ष के सर्वोच्च अंक प्राप्त विद्यार्थी को स्व. कृष्ण कुमारी चौधरी स्मृति पुरस्कार – प्रमाण-पत्र के साथ रू. २१०० नकद।
  - ग- चतुर्मुखी योग्यता के आधार पर स्नातक के श्रेष्ठतम विद्यार्थी को ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्वर्ण पदक।
  - घ- चतुर्मुखी योग्यता के आधार पर स्नातकोत्तर के श्रेष्ठतम विद्यार्थी को ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ स्वर्ण पदक।
- योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई केन्द्र के श्रेष्ठतम प्रशिक्षणार्थी को 'योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति पुरस्कार' – प्रशस्ति-पत्र के साथ सिलाई मशीन।

उत्सव एवं विशेष कार्यक्रम

महाविद्यालय में मुख्य रूप से निम्नलिखित उत्सवों एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। स्वतन्त्रता दिवस, ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की पुण्यतिथि, महाराणा प्रताप जयन्ती/पुण्यतिथि, गाँधी जयन्ती, लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती, भारत-भारती पखवारा, गणतंत्र दिवस, संस्थापक सप्ताह समारोह, वार्षिक क्रीड़ा समारोह, संगोष्ठी, विशेष व्याख्यान, विज्ञान मेला, समावर्तन समारोह आदि। प्रतिवर्ष अगस्त माह में सप्तदिवसीय ब्रह्मलीन राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यानमाला इत्यादि का आयोजन महाविद्यालय में किया जाता है।

साइकिल स्टैण्ड

महाविद्यालय परिसर में निश्चित साइकिल स्टैण्ड में साइकिल, स्कूटर तथा मोटरसाइकिल रखना होगा। इसके लिए छात्र/छात्राओं को निर्धारित शुल्क जमा करने के साथ इस सम्बन्ध में तय नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा।

महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम (सत्र : २०१५-१६)

वार्षिक योजना बैठक

सत्र २०१५-१६ का शुभारम्भ ०२ से ०४ जुलाई को सम्पन्न वार्षिक योजना बैठक के साथ हुआ। इस बैठक में प्राचार्य सहित समस्त शिक्षकों ने सहभाग किया। आगामी सत्र के शैक्षिक एवं शिक्षणेत्तर कार्यक्रमों एवं गतिविधियों पर बिन्दुवार गहन चिन्तन के पश्चात सत्र २०१५-१६ की वार्षिक योजना तैयार की गयी। ४ जुलाई को प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव के अध्यक्षीय उद्‌बोधन के साथ बैठक सम्पन्न हुयी।

वार्षिक योजना बैठक-प्राचार्य एवं शिक्षक

पौधरोपण करते विद्यार्थी

पौधारोपण कार्यक्रम

४ जुलाई २०१५ को स्वामी विवेकानन्द की पुण्यतिथि के अवसर पर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव द्वारा सागौन, आम, अमरूद, पीपल एवं जामुन के पौधों को लगाकर पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों एवं शिक्षकों-कर्मचारियों द्वारा पौधारोपण किया गया।

जंगल औराही में सभी बने साक्षर

गोरखपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद आदर्श ग्राम जंगल औराही जो महाविद्यालय के बगल में स्थित है, को साक्षर बनाना एक चुनौती पूर्ण कार्य था, जिसे सामाजिक कार्यकर्त्ता श्री भिखारी प्रसाद प्रजापति की देखरेख में महाविद्यालय के वर्तमान छात्र-छात्राओं, पुराने विद्यार्थियों एवं स्थानीय स्वयंसेवकों के बल पर पूरा किया गया। ५ जुलाई २०१५ को जंगल औराही पूर्ण साक्षर ग्राम बन गया। सांसद एवं गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज तथा राज्य सरकार के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित भव्य समारोह में पूर्ण साक्षर गाँव की घोषणा हुई।

एक दिवसीय कार्यशाला

१० जुलाई २०१५ को महाविद्यालय में यूसीजी एवं इन्फार्मेशन एण्ड लाइब्रेरी नेटवर्क केन्द्र, गांधी नगर गुजरात द्वारा अनुदानित 'एन-लिस्ट उपयोगकर्ता हेतु जागरुकता' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के उद्‌घाटन सत्र के मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति एवं उच्चतर शिक्षा सेवा चयन बोर्ड, उ.प्र. के पूर्व अध्यक्ष प्रो. राम अचल सिंह तथा समापन सत्र के मुख्य अतिथि पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. यू.पी. सिंह रहे।

सांसद आर्दश ग्राम में संपूर्ण साक्षरता

कार्यशाला में इन्फार्मेशन एण्ड लाइब्रेरी नेटवर्क केन्द्र, गांधी नगर गुजरात के विषय विशेषज्ञ वैज्ञानिक डा. अशोक कुमार राय, गोरखपुर विश्वविद्यालय, वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता प्रो. अजेय कुमार गुप्ता तथा गन्ना शोध संस्थान, सेवरही कुशीनगर के श्री हिमांशु भूषण वर्मा ने विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कार्यशाला में मंचासीन अतिथि

कक्षाएँ प्रारम्भ

महाविद्यालय में शैक्षिक पंचांग के अनुसार १ जुलाई से बी. एड., १६ जुलाई से स्नातक स्तर पर कला, विज्ञान एवं वाणिज्य भाग-दो एवं तीन तथा स्नातकोत्तर स्तर पर रसायनशास्त्र एवं प्राचीन इतिहास, अंतिम वर्ष की कक्षाएँ प्रारम्भ की गयी। १ अगस्त से स्नातक एवं स्नातकोत्तर भाग एक की सभी कक्षाएं प्रारम्भ हुयी।

चन्द्रशेखर आजाद जयन्ती के अवसर पर शिक्षक एवं विद्यार्थी

चन्द्रशेखर आजाद जयन्ती समारोह

युवाओं के प्रेरणास्रोत एवं अमर बलिदानी चन्द्रशेखर आजाद के जयन्ती के अवसर पर २३ जुलाई को आयोजित कार्यक्रम को डा. महेन्द्र प्रताप सिंह ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा. अविनाश प्रताप सिंह एवं संचालन डॉ. कृष्ण कुमार ने किया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित हुआ।

श्रद्धांजलि सभा

२८ जुलाई, २०१५ को महाविद्यालय में भारत रत्न डॉ. ए.पी. जे. अब्दुल कलाम के निधन पर अपराह्न २ बजे से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. विजय कुमार चौधारी, डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह सहित शिक्षकों, कर्मचारी व छात्र-छात्राओं ने अपनी-अपनी भावाभिव्यक्ति के साथ श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनकी आत्मा की शांति के लिए सभी ने दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि

लोकमान्य तिलक महाप्रयाण दिवस एवं नव प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत समारोह

१ अगस्त को महाविद्यालय में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक महाप्रयाण दिवस एवं नवागन्तुक विद्यार्थियों का स्वागत समारोह आयोजित हुआ। जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थी, शिक्षक-कर्मचारी एवं प्राचार्य सम्मिलित हुए।

कर्मचारी संघ का चुनाव

१ अगस्त २०१५ को कर्मचारी संघ का चुनाव डा. विजय कुमार चौधरी के निर्देशन में संपन्न हुआ। जिसमें अध्यक्ष पद पर

श्री सुभाष कुमार, उपाध्यक्ष पद पर श्री संतोष कुमार एवं महामंत्री पर श्री झब्बर शर्मा विजयी घोषित हुए। कार्यकारिणी के दो सदस्यों के लिए श्री विश्वनाथ एवं श्री गौरव कुमार जायसवाल के नाम पर सभी कर्मचारियों ने मोहर लगाई।

गोद लिये गाँव में महाविद्यालय

एक दिवसीय ग्रामीण शिविर

२ अगस्त २०१५ रविवार को महाविद्यालय के संस्थागत सामाजिक दायित्व के अंतर्गत सभी विभागों द्वारा अपने-अपने अभिग्रहित गाँवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, योग, स्वच्छता, श्रम की महत्ता एवं सामुदायिक विकास के जनजागरण हेतु एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। १६ गाँवों में यह अभियान सम्पन्न हुआ तथा २ गाँव में गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया तथा दवाएँ वितरित की गई।

श्रद्धांजलि सभा

४ अगस्त २०१५ भारतीय इतिहास संकलन समिति, गोरक्षप्रान्त के संगठन सचिव, प्रतिष्ठित इतिहासकार डा. कुँवर बहादुर कौशिक जी के परलोक गमन पर महाविद्यालय ने शोक सभा आयोजित कर उन्हें अपनी भावभिनी श्रद्धांजलि अर्पित की। डा. कौशिक अपनी सम्पूर्ण पुस्तकें (८४०) महाविद्यालय पुस्तकालय को स्वर्गवासी होने से पूर्व दान कर चुके थे। इस कार्यक्रम में प्राचार्य डा. प्रदीप राव सहित सभी शिक्षक एवं कर्मचारी तथा छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

व्याख्यान कार्यक्रम में मंचासीन अतिथि

व्याख्यान कार्यक्रम

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन एवं राजनीतिशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ५ अगस्त २०१५ को हिरोशिमा दिवस की पूर्व संध्या पर ''भारत की नाभिकीय नीति'' विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान में भटवली महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के डा. बलवान सिंह, दीनदयाल उपाध्याय गो.वि.वि., गोरखपुर के एसोसिएट प्रो. डॉ. विनोद कुमार सिंह एवं दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के डा. श्रीभगवान सिंह का व्याख्यान हुआ।

कार्यशाला को संबोधित करते डा. बलवान सिंह

विभागीय कार्यशाला

५ अगस्त २०१६ इसी दिन दूसरे सत्र में रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें भाग एक, दो एवं तीन के विद्यार्थियों को सेण्ड मॉडल के निर्माण की विधि सिखाई गई। इस कार्यशाला में भी डा. श्री भगवान सिंह, डॉ. बलवान सिंह तथा डा. विनोद कुमार सिंह ने मार्गदर्शन किया।

रविन्द्र नाथ टैगोर पुण्यतिथि

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में भारत के महान कवि,

देशभक्त व दार्शनिक रवीन्द्र नाथ टैगोर की पुण्य तिथि ७ अगस्त २०१५ को मनाई गयी। कार्यक्रम को बी.एड. विभाग के प्रवक्ता श्री गोविन्द कुमार वर्मा ने संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा. अविनाश प्रताप सिंह तथा संचालन श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

व्याख्यान देते बी.एड. विभाग के श्री गोविन्द वर्मा

एक दिवसीय कार्यशाला

८ अगस्त को महाविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के अन्तर्गत विज्ञान संकाय में ''विज्ञान शिक्षण में सहायक सामग्रियाँ'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राणि विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डा. डी. के. सिंह रहे। कार्यक्रम के संयोजक डा. अभय कुमार श्रीवास्तव ने आभार एवं संचालन श्री विनय कुमार सिंह ने किया।

कार्यशाला को संबोधित करते प्रो. डी.के. सिंह

८ अगस्त को ही प्राचीन इतिहास एवं इतिहास विभाग द्वारा ''ऐतिहासिक पुरावशेषों की संरक्षण तकनीक'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के वरिष्ठ आचार्य प्रो. ईश्वरशरण विश्वकर्मा सम्मिलित हुए। कार्यशाला का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र ने तथा आभार ज्ञापन इतिहास विभाग के प्रभारी डा. महेन्द्र प्रताप सिंह ने किया।

कार्यशाला को संबोधित करते प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा

शिक्षक संघ चुनाव

महाविद्यालय में शिक्षक संघ चुनाव १० अगस्त को चुनाव अधिकारी डा. आर.एन. सिंह के कुशल नेतृत्व में सम्पन्न हुआ जिसमें श्रीमती कविता मन्ध्यान अध्यक्ष, डा. शुभ्रांशु शेखर सिंह उपाध्यक्ष, प्रदीप वर्मा महामंत्री व डा. राम सहाय, कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में श्री श्रीकांत मणि त्रिपाठी, डा. राजेश शुक्ला, डा. महेन्द्र प्रताप सिंह तथा श्री गोविन्द वर्मा निर्विरोध चुने गए।

व्याख्यान कार्यक्रम को संबोधित करते डा. आनन्द शंकर सिंह

देश विभाजन की पूर्व संध्या पर व्याख्यान

१३ अगस्त, देश विभाजन की पूर्व संध्या पर प्रतिवर्ष की

भाँति महाविद्यालय में 'अखण्ड भारत : वीर सावरकर एवं डा. राम मनोहर लोहिया की दृष्टि में'' विषय पर आयोजित व्याख्यान में मुख्य अतिथि प्रतिष्ठित इतिहासकार व ईश्वरशरण पी.जी. कालेज इलाहाबाद के प्राचार्य डा. आनन्द शंकर सिंह थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूगोल विभाग के प्रभारी डा. विजय कुमार चौधरी, संचालन डा. अविनाश प्रताप सिंह तथा आभार ज्ञापन छात्रसंघ अध्यक्ष श्री किशनदेव निषाद ने किया।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्राचार्य एवं छात्रसंघ पदाधिकारी

एक दिवसीय कार्यशाला

१४ अगस्त २०१५ को वाणिज्य विभाग द्वारा ''विश्वविद्यालय परीक्षा में उत्तर कैसे लिखें?'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें कुल १५० छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

स्वतंत्रता दिवस का राष्ट्रीय पर्व, १५ अगस्त को महाविद्यालय में उत्साहपूर्वक ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ मनाया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अन्तर्गत देश प्रेम से ओत-प्रोत प्रस्तुतियाँ एवं सामाजिक समस्याओं के समाधान के प्रति जागरूकता से सम्बन्धित कार्यक्रमों के पश्चात् वन्देमातरम् के साथ समारोह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन छात्रसंघ की उपाध्यक्ष सुश्री मनीषा सिंह ने किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते डा. नरसिंह राम

कन्या बचाओ-कन्या पढ़ाओ कार्यक्रम

१८ अगस्त को भारत सरकार के कन्या बचाओ-कन्या पढ़ाओ कार्यक्रम के अन्तर्गत 'कन्या भ्रूण हत्या सामाजिक एवं कानूनी अपराध' विषय पर आयोजित गोष्ठी में क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय के सहायक निदेशक डा. नरसिंह राम बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित हुए, मुख्य वक्ता के रूप में डा. प्रकाश प्रियदर्शी ने अपना विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा. शक्ति सिंह तथा संचालन प्राचीन इतिहास के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र एवं आभार ज्ञापन छात्रसंघ महामंत्री श्री आशीष राय ने किया।

उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. शंकर शरण

राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान-माला का उद्घाटन

प्रत्येक वर्ष की भांति २१ अगस्त से २७ अगस्त तक महाविद्यालय के संस्थापक राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में साप्ताहिक व्याख्यान-माला का आयोजन किया गया। २१ अगस्त को इस साप्ताहिक व्याख्यान-माला के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि महाराज सायाजी राव विश्वविद्यालय, बड़ौदरा, गुजरात में राजनीति शास्त्र विषय के प्रोफेसर एवं प्रतिष्ठित स्तम्भकार प्रो. शंकर शरण थे। अध्यक्षता वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल

विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कुलपति एवं महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष प्रो. उदय प्रताप सिंह ने की। कार्यक्रम का संचालन डा. शुभ्रांशु शेखर सिंह तथा आभार ज्ञापन डा. अभिलाषा कौशिक ने किया।

व्याख्यान-22 अगस्त

साप्ताहिक व्याख्यान-माला के दूसरे दिन के विषय विशेषज्ञ दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय में भूगोल विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. शिवशंकर वर्मा ने ''पर्यावरणीय अवनयन : मानवीय गलतियों का परिणाम'' विषय पर बोलते हुए कहा कि राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज सदैव पर्यावरण को लेकर चिन्तित रहे। उन्होंने मानव जीवन पर पर्यावरणीय संकट का समाधान भारतीय जीवन पद्धति में खोजते रहने का सदैव प्रयत्न किया। पृथ्वी पर जीवन की रक्षा हमारे व्यवहारों से ही होगी अन्यथा प्रकृति स्वयं प्राकृतिक प्रकोपों के द्वारा इसे नियंत्रित करेगी। व्याख्यान-माला का संचालन छात्रसंघ महामंत्री श्री आशीष राय तथा आभार भूगोल विभाग के डा. विजय कुमार चौधरी ने किया।

व्याख्यान-माला में व्याख्यान देते प्रो. शिव शंकर वर्मा

व्याख्यान-माला में व्याख्यान देते डा. विवेक निगम

व्याख्यान-२३ अगस्त

साप्ताहिक व्याख्यान-माला के तीसरे दिन 'हिन्दुत्व ही राष्ट्रीयता है' विषय पर बोलते हुए मुख्य अतिथि एसोसिएट प्रो. यूइंग क्रिश्चियन कालेज इलाहाबाद के डॉ. विवेक निगम ने कहा कि महन्त दिग्विजयनाथ जी एवं महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की स्पष्ट अवधारणा थी कि हिन्दुत्व एक जीवन पद्धति है, एक संस्कृति है, एक परम्परा है और सब मिलाकर भारत की राष्ट्रीयता है। राष्ट्रीयता, संवेदना का विषय है, श्रद्धा का विषय है। व्याख्यान की अध्यक्षता महाराण प्रताप इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य श्री रामजन्म सिंह जी ने की।

राष्ट्रीय सेवा योजना-कार्यक्रम

२३ अगस्त को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना तत्वावधान में 'युवा शक्ति एवं राष्ट्र का भविष्य' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में भूगोल विभाग के असिस्टेन्ट प्रो. डा. प्रवीन्द्र कुमार शाही, मुख्य अतिथि के रूप में मध्यकालीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता डा. एम.पी. सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता श्री सुबोध कुमार मिश्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी अविनाश प्रताप सिंह ने किया। इसी कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम वर्ष सदस्यता हेतु चयन एवं पंजीकरण किया गया।

व्याख्यान-माला में प्रो. एस.के. वर्मा एवं डा. द्वारिकानाथ

व्याख्यान-२४ अगस्त

२४ अगस्त को व्याख्यान-माला में चौथे दिन बाबा साहब

भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर, बिहार के दर्शनशास्त्र विभाग के प्रो. एस.के. वर्मा ने ''भारतीय जीवन दर्शन में पर्यावरण'' विषय पर अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। दीनदयाल उपाध्याय गो.वि.वि. के दर्शनशास्त्र विभाग के आचार्य डा. द्वारिकानाथ ने भी अपना मूल्यवान विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन बी.ए. भाग-दो के सतीश पाण्डेय एवं आभार प्राणि विज्ञान विभाग के प्राध्यापक श्री विनय कुमार सिंह ने किया।

व्याख्यान-माला में प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त

व्याख्यान-२५ अगस्त

सप्तदिवसीय व्यख्यान-माला के पांचवे दिन दीनदयाल उपाध्याय गो.वि.वि. के हिन्दी विभाग के प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त ने 'धर्मनिरपेक्षता : बौद्धिक उथलेपन का प्रतीक' एवं श्री गांधी पी.जी. कालेज मालताड़ी में शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षा के प्रवक्ता डा. प्रशान्त कुमार राय ने 'स्वस्थ जीवन के घटक एवं उसे विकसित करने की विधियाँ' विषय पर शोध पूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। व्याख्यान का संचालन बी.काम. भाग तीन के छात्र श्री अनुपम त्रिपाठी तथा आभार अर्थशास्त्र के प्रवक्ता श्री मंजेश्वर ने किया।

व्याख्यान-२६ अगस्त

सप्तदिवसीय व्याख्यान-माला के छठें दिन किसान पी.जी. कालेज, सेवरही, कुशीनगर के पूर्व प्राचार्य एवं प्रतिष्ठित साहित्यकार डा. वेद प्रकाश पाण्डेय ने 'अंधेरे से उजाले की ओर ग्राम्य जीवन के संदर्भ में' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने व्याख्यान में वर्तमान में गाँवों में बढ़ रही संवेदनहीनता और सहयोग की भावना में कमी की ओर विद्यार्थियों का ध्यान आकृष्ट किया। उन्होंने ग्राम जीवन की गौरवशाली परम्परा का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की आत्मा गाँवों में बसती रही है। व्याख्यान का संचालन बी. एड. प्रवक्ता श्री गोविन्द कुमार वर्मा तथा आभार वाणिज्य विभाग प्रवक्ता श्री वागीश राज पाण्डेय ने किया।

व्याख्यान-माला में डा. वेद प्रकाश पाण्डेय

व्याख्यान-माला समापन अवसर पर अतिथि

व्याख्यान-माला : समापन समारोह 27 अगस्त

राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान-माला के समारोप के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डा. बालमुकुन्द पाण्डेय ने कहा सनातन हिन्दू धर्म एवं संस्कृति के पथ प्रदर्शक राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज सामाजिक समरसता एवं राष्ट्रीय एकता के अग्रदूत थे। वे हिन्दुत्वनिष्ठ राजनीति के ध्वजवाहक थे।

मुख्य वक्ता उच्चतर शिक्षा चयन बोर्ड उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व कुलपति प्रो. राम अचल सिंह ने कहा कि हिन्दू समाज में छुआछूत, ऊँच-नीच के विरुद्ध महन्त जी महाराज ने

जनाभियान चलाया।

समापन समारोह की अध्यक्षता कर रहे गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने कहा कि श्रीगोरक्षपीठ को राष्ट्रीय सामाजिक आन्दोलन का प्रतीक बनाने में महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज का योगदान अविस्मरणीय है। समापन समारोह में अतिथियों का स्वागत एवं आभार प्राचार्य डा. प्रदीप राव एवं संचालन समाजशास्त्र के प्रभारी डा. प्रकाश प्रियदर्शी ने किया।

व्याख्यान-माला के समारोप अवसर पर पूज्य महाराज जी

छात्रसंघ चुनाव : योग्यता भाषण

१ सितम्बर २०१५ को महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव के योग्यता भाषण में अध्यक्ष पद हेतु शुभम पाण्डेय, सिद्धार्थ कुमार द्विवेदी, सूरज खेतान, उपाध्यक्ष पद के लिए तनु कुमारी, महेश कुमार, शुभम सिंह, चन्द्रेश कुमार, निशा ज्योति, कालीशंकर पाण्डेय तथा महामंत्री पद हेतु मुकेश कश्यप, सन्नी कुमार साहनी, सतीश कुमार पाण्डेय, निशा वर्मा, अवधेश कुमार एवं अनुराग त्रिपाठी ने अपना विचार प्रस्तुत कर मतदाताओं से अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की।

छात्रसंघ चुनाव

महाविद्यालय में २ सितम्बर को प्रात: ८ बजे से मतदान तीन मतदान स्थलों (कला संकाय, विज्ञान संकाय एवं वाणिज्य संकाय) पर प्रारम्भ हुआ। छात्र-छात्राओं ने कतार में लगकर उत्साह पूर्वक मतदान किया। मतदान के उपरान्त मतगणना का कार्य सकुशल सम्पन्न हुआ। छात्रसंघ चुनाव अधिकारी डा. शुभ्रांशु शेखर सिंह के कुशल निर्देशन में परिणाम घोषित हुआ। अध्यक्ष पद पर श्री सिद्धार्थ द्विवेदी, उपाध्यक्ष पद पर श्री महेश कुमार एवं महामंत्री पद पर श्री सतीश पाण्डेय का निर्वाचन हुआ।

योग्यता भाषण में छात्रसंघ प्रत्याशी

विशेष व्याख्यान

४ सितम्बर को शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित व्याख्यान ''भारतीय संस्कृति एवं संस्कृत'' विषय पर बोलते हुए मुख्य वक्ता श्री अरविन्द आश्रम, पांडीचेरी के श्री देवदत्त ने कहा कि संस्कृत भाषा जीवित होगी तभी भारतीय संस्कृति अक्षुण्ण होगी। संस्कृत देववाणी है, भारत की वाणी है, मानवता की वाणी है, करुणा की वाणी है, अहिंसा की वाणी है। संस्कृत भारतीय भाषा की जननी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा. प्रदीप कुमार राव एवं संचालन श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

प्रमाण पत्र के साथ विजयी प्रत्याशी

शिक्षक दिवस पर व्याख्यान

शिक्षक दिवस के अवसर पर गणित एवं सांख्यिकी विभाग में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान में मुख्य

व्याख्यान देते श्री देवदत्त जी

वक्ता के रूप में मदन मोहन मालवीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भाटपाररानी, देवरिया के गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.के.डी. दुबे जी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में उन्होंने "अरण्य भारत में वैदिक गणित" विषय पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम का संचालन गणित विभाग के प्रभारी श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी ने किया तथा आभार सांख्यिकी विभाग के प्रभारी डॉ. अरूण राव ने ज्ञापित किया।

छात्रसंघ शपथ ग्रहण समारोह

१० सितम्बर २०१५ को महाविद्यालय में छात्रसंघ शपथ ग्रहण समारोह के दौरान मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीतिशास्त्र विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत की राजनीति की पाठशाला के रुप में शिक्षण संस्थाओं को आगे बढ़कर छात्रों का व्यक्तित्व निर्माण करने में विशेष भूमिका होनी चाहिए। इस समारोह में महाविद्यालय के प्रबंधक एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं महामंत्री सहित सभी छात्रसंघ प्रतिनिधियों को शपथ ग्रहण करवाया। समारोह को बीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. यू.पी. सिंह ने भी संबोधित किया। शपथ ग्रहण समारोह में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष श्री शीतल पाण्डेय ने अपने विचार रखे। संचालन डॉ. अविनाश प्रताप सिंह तथा आभार छात्रसंघ प्रभारी डा. सुभ्रांशु शेखर सिंह ने किया।

शपथ ग्रहण समारोह में मंचासीन अतिथि

शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते पूज्य महाराज जी

एक दिवसीय कार्यशाला

११ सितंबर २०१५ को महाविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग द्वारा "मानव जीवन में भाषा की भूमिका" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गयी। विषय विशेषज्ञ प्रो. अनुपम नाथ त्रिपाठी, पूर्व विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग दीनदयाल उपाध्याय गो. वि.वि. गोरखपुर ने इस विषय पर प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। कार्यशाला में ९६ छात्र/छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डा. प्रज्ञेश कुमार मिश्र ने तथा आभार डा. अपर्णा मिश्रा ने किया।

कार्यशाला में व्याख्यान देते प्रो. अनुपम नाथ त्रिपाठी

हिन्दी दिवस

१४ सितम्बर को हिन्दी दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के हिन्दी विभाग के पूर्व आचार्य प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त थे। समारोह का संचालन श्री आनन्द कुमार चौरसिया एवं आभार हिन्दी विभाग की प्रवक्ता डा. आरती सिंह ने किया।

हिन्दी दिवस के अवसर पर प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त

विशेष व्याख्यान

१५ सितम्बर २०१५ को महाविद्यालय में राजनीति शास्त्र विभाग के तत्वावधान में ''राज्य का बदलता परिदृश्य'' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय, गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी थे। कार्यक्रम का संचालन डा. अविनाश प्रताप सिंह ने तथा आभार डा. कृष्ण कुमार ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी

विश्व ओजोन दिवस

१६ सितम्बर विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर, राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान में डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की प्रस्तावना राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने रखी जबकि आभार ज्ञापन डा. यशवन्त राव तथा संचालन श्री सुबोध मिश्र ने किया। कार्यक्रम के पश्चात पर्यावरण संकट एवं संरक्षण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गयी, जिसमें ५० विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें श्री सिद्धार्थ कुमार, बी.ए. भाग-एक एवं सुश्री गरिमा जायसवाल, बी.ए. भाग-एक प्रथम, सुश्री अनुराधा गुप्ता, बी.एड. भाग-एक द्वितीय तथा श्री रामू प्रसाद, बी.एस-सी. भाग-एक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस

२४ सितम्बर, राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डा. अजय कुमार शुक्ला ने बोलते हुए कहा कि मनुष्य के नैसर्गिक स्वभाव में सेवा है। सृष्टि की समृद्धि एवं उसके विकास में मनुष्य का योगदान अग्रणी रहा है। श्रम, सेवा और साधना मनुष्य की विशेष पहचान होनी चाहिए। यही समाज और राष्ट्र की उन्नति का आधार है। कार्यक्रम की अध्यक्षता रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. शिव कुमार बर्नवाल ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा एम.ए. प्रथम वर्ष प्राचीन इतिहास के छात्र श्री आशीष राय को गुरू श्री गोरक्षनाथ सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक तथा

रा.से.यो. स्थापना दिवस के अवसर पर डा. अजय शुक्ला

पर्यावरण संकट और संरक्षण विषय पर आयोजित विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता के श्री सिद्धार्थ कुमार, बी.ए. भाग-एक एवं सुश्री गरिमा जायसवाल, प्रथम बी.ए. भाग-एक, सुश्री अनुराधा गुप्ता, बी.एड. भाग-एक द्वितीय तथा श्री रामू प्रसाद, बी.एस-सी. भाग-एक ने तृतीय स्थान प्राप्त विजेताओं को मोमेन्टो सहित सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। आभार ज्ञापन डा. यशवंत कुमार राव तथा संचालन इतिहास विभाग के श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

दीनदयाल उपाध्याय सम्मान

रासेयो स्थापना दिवस के अवसर पर दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के परिसर में हुए आयोजन में महाविद्यालय को सर्वश्रेष्ठ कालेज के रूप में माननीय कुलपति प्रो. अशोक कुमार द्वारा 'दीनदयाल उपाध्याय सम्मान' से सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा यह पुरस्कार श्रेष्ठतम् कालेज को दिया जाता है।

दीनदयाल उपाध्याय सम्मान प्रदान करते कुलपति जी

राष्ट्रीय सेवा योजना : प्रथम एक दिवसीय शिविर

१ अक्टूबर २०१५ को राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत गुरु श्री गोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई का संयुक्त एक दिवसीय शिविर अभिगृहित गाँव में आयोजित हुआ। शिविर में स्वच्छता एवं जनजागरण तथा व्याख्यान का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

गाँधी जयन्ती एवं लालबहादुर शास्त्री जयन्ती

२ अक्टूबर २०१५ को महाविद्यालय में ध्वजारोहण के साथ गाँधी जयंती एवं लालबहादुर शास्त्री जयन्ती का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के पश्चात महाविद्यालय परिवार द्वारा दोनों महापुरूषों को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

गाँधी जयन्ती के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

पुरातन छात्र परिषद का वार्षिक सम्मेलन

२ अक्टूबर को महाविद्यालय में पुरातन छात्र परिषद के वार्षिक सम्मेलन का आयोजन हुआ। इस अवसर पर प्रतिवर्ष की भाँति पुरातन छात्र परिषद का चुनाव हुआ। श्री मनीष कुमार दुबे अध्यक्ष, श्री कृष्णानन्द तिवारी एवं श्री दीपचंद उपाध्यक्ष और श्री गौरव कुमार सिंह महामंत्री, सहमंत्री-श्री विशाल कुमार, श्री चन्द्रभान गुप्त, सदस्य-श्री सुजीत कुमार सिंह, श्री दीपक कुमार, श्री जयहिन्द यादव, श्री सचिन कुमार, श्री प्रदीप कुमार पाण्डेय, सुश्री सृष्टि सिंह, श्री त्रिपुरेश कुमार, श्री सुजीत कुमार सिंह, श्री अनिल कुमार गुप्त, श्री हरिद्वार प्रजापति, श्री अमित कुमार गुप्ता, श्री विशाल गुप्ता, श्री सुरेश कुमार चुने गये।

पुरातन छात्र परिषद में प्राचार्य एवं परिषद के सदस्य

शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन

२ अक्टूबर को महाविद्यालय में शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन में अभिभावक संघ के पदाधिकारियों का चुनाव किया गया। वहाँ उपस्थित अभिभावकों ने अपने बच्चों के सन्दर्भ में शिक्षकों के साथ चर्चा की। बैठक में सर्वसम्मति से अध्यक्ष श्री ए.के. सिंह, उपाध्यक्ष श्री दीपचंद चौरसिया, महामंत्री श्री महेश सैनी तथा कार्यकारिणी

सदस्य डा. टी.एन. मिश्र, श्री इन्द्रजीत दुबे, श्री राजेश भारती, श्री संजय जायसवाल, श्री दिलीप कुमार चौहान, श्रीमती आशा जायसवाल एवं श्री हरेन्द्र कुमार मिश्र चुने गए।

निवर्तमान शिक्षक-अभिभावक संघ के अध्यक्ष डा. टी.एन. मिश्र

वनस्पति विज्ञान विभाग में विज्ञान-प्रदर्शनी

५ अक्टूबर को महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन प्राचार्य डा. प्रदीप कुमार राव ने किया। इसमें कुल ३५ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया जिसमें बी.एस-सी. भाग-एक के सुश्री अनुप्रिया सिंह, सुश्री सुष्मिता पाण्डेय एवं सुश्री अमृता चौरसिया को प्रथम स्थान तथा बी. एस-सी. भाग-एक की सुश्री नेहा, सुश्री मरजीना खातून, सुश्री राजनन्दिनी, सुश्री शालिनी दूबे को द्वितीय स्थान तथा बी.एस-सी. भाग-दो के श्री सिद्धार्थ पाण्डेय को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

भौतिक विज्ञान विभाग में विज्ञान प्रदर्शनी

६ अक्टूबर को महाविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में 26 ग्रुप के १६६ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें बी.एस-सी. भाग-तीन के श्री विवेक कुमार भारती, श्री गौरव कुशवाहा एवं श्री प्रदीप चौहान को प्रथम स्थान तथा श्री रीतेश राव, श्री शुभम सिंह, मो. वामिक, श्री सचिन शर्मा, श्री अवधेश कुमार, श्री आनन्द गुप्ता, श्री नीरज त्रिपाठी, अहमद हुसेन, श्री राजन प्रताप सिंह, सुश्री रजनी निषाद को द्वितीय स्थान तथा बी.एस-सी भाग-एक की सुश्री सुलेखा विश्वकर्मा, सुश्री नीतू सिंह, सुश्री विनीता विश्वकर्मा, सुश्री सीमा गौतम, सुश्री प्रिया सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

वनस्पति विज्ञान विभाग में विज्ञान प्रदर्शनी

वायु सेना स्थापना दिवस

८ अक्टूबर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वायु सेना स्थापना दिवस के अवसर पर 'भारतीय वायुसेना का देश की सुरक्षा और आपदा में योगदान' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता श्री सुबोध कुमार मिश्र ने भारतीय वायु सेना को भारत की सुरक्षा व्यवस्था की रीढ़ बताया। व्याख्यान की अध्यक्षता वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने की तथा संचालन छात्रसंघ के पूर्व महामंत्री श्री आशीष राय ने की।

भौतिक विज्ञान विभाग में विज्ञान प्रदर्शनी

योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति व्याख्यान

१० अक्टूबर को योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम एवं योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई कढ़ाई केन्द्र के तत्वावधान में आयोजित योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति व्याख्यान को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि काशी विद्यापीठ, वाराणसी में संस्कृत विषय के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. प्रभुनाथ द्विवेदी ने कहा कि योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सिद्ध पुरूष थे। उन्होंने हठ योग,

व्याख्यान में मंचासीन अतिथि

राजयोग और लय योग के क्षेत्र में सिद्धि प्राप्त की। उनकी स्मृति में व्याख्यान का आयोजन भारतीय युवाओं को विषय के साथ-साथ योग, अध्यात्म की भी प्रेरणा देगा। व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने कहा कि हिमालय से कन्याकुमारी तक के भूमि भाग में बीसवीं शताब्दी में इतने बड़े योगी का दर्शन अत्यन्त दुर्लभ है। उन्होंने मानवता को योगशक्ति से सम्पन्न किया। मुख्य वक्ता वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कुलपति प्रो. यू. पी. सिंह ने कहा कि योगिराज बाबा गम्भीरनाथ योग, ज्ञान, तपस्या और भक्ति के चिन्मय मूर्तिमान प्रतीक स्वरूप थे। व्याख्यान का संचालन डा. अविनाश प्रताप सिंह ने किया। सरस्वती वंदना, स्वागत एवं वन्देमातरम् सुश्री आराधना वर्मा, सुश्री शशि गुप्ता एवं सुश्री वर्षा जायसवाल ने किया।

व्याख्यान को संबोधित करते पूज्य महाराज जी

एक दिवसीय कार्यशाला

कार्यशाला को संबोधित करते प्रो. रामप्रकाश

महाविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग द्वारा १० अक्टूबर को ''जनगणना-२०११, एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण'' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के विषय विशेषज्ञ दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. राम प्रकाश ने अपने शोधपूर्ण उद्‌बोधन में कहा कि जिन देशों में महिलाओं की स्थिति अच्छी है वो आज विकसित देशों की पंक्ति में खड़े हैं। भारत में चूँकि लैंगिक असंतुलन है, इसलिए हम आज भी विकासशील देशों की पंक्ति में खड़े हैं। कार्यशाला में कुल १३० प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया तथा २५ छात्रों ने अपना विषय प्रस्तुत किया। आभार ज्ञापन समाजशास्त्र के प्रभारी डा. प्रकाश प्रियदर्शी ने किया।

चार दिवसीय कार्यशाला

१५ अक्टूबर को गृहविज्ञान विभाग में ''महिला उद्यमिता विकास'' पर चार दिवसीय कार्यशाला का उद्‌घाटन सहायक आयुक्त, जिला उद्योग गोरखपुर के श्री रामरूप राम ने किया। कार्यशाला की संयोजक गृह विज्ञान की प्रभारी डा. शक्ति सिंह ने

कार्यशाला में ले. कर्नल माधवी सिंह एवं डा. सुधाकर लाल श्रीवास्तव

मुख्य अतिथि के प्रति आभार ज्ञापित किया। कार्यशाला का संचालन समाजशास्त्र के प्रभारी श्री प्रकाश प्रियदर्शी ने किया। कार्यशाला का समापन १८ अक्टूबर को हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि भारतीय थल सेना की लेफ्टिनेंट कर्नल माधवी सिंह थीं। अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षक संघ के अध्यक्ष डा. सुधाकर लाल श्रीवास्तव ने किया। संचालन श्री गोविन्द वर्मा ने किया। कार्यशाला में कुल ८५ छात्राओं ने भाग लिया। प्रथम १० छात्राओं को पेडेलाइट कंपनी द्वारा तथा शेष सभी छात्राओं को महाविद्यालय द्वारा प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जयन्ती

१५ अक्टूबर २०१५ को डा. अब्दुल कलाम के जन्म दिवस के अवसर पर कैरम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बालक वर्ग में ७ और बालिका वर्ग में ६ टीमों ने प्रतिभाग किया। बालक वर्ग में श्री विशाल सिंह-बी.एस-सी. भाग-एक, श्री अजीत कुमार-बी.एस.-सी. भाग-एक को विजेता तथा श्री आशीष राय-एम. ए. भाग-एक, श्री दीपक सिंह-बी.एस.-सी. भाग-तीन को उप विजेता घोषित किया गया।

कैरम प्रतियोगिता में विद्यार्थी

प्राणि विज्ञान विभाग में विज्ञान प्रदर्शनी

१६ अक्टूबर को प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा एक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें डी.एन.ए. की त्रिविम संरचना, श्वसन प्रक्रिया, यूग्लीना तथा पैरामिशियम की त्रिविम संरचना, सेरीकल्चर, ह्रदय की कार्य पद्धति, मोनोसिस्टिक जीवन चक्र मॉडल, एसिड रेन के प्रभाव को वर्णित करता हुआ पूरे शहर का मॉडल, N२ चक्र एवं ब्लड एनलिसिस जैसे विषयों पर रोचक मॉडल प्रस्तुत किये गये। बी.एस-सी. भाग-एक के शुभम कुमार को प्रथम, बी.एस-सी. भाग-तीन की सुश्री रितू गुप्ता को द्वितीय तथा बी.एस-सी. भाग-एक सुश्री अंजली जायसवाल, बी.एस-सी. भाग-तीन के श्री कौशल कुमार यादव को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रदर्शनी का उद्‌घाटन, महाविद्यालय के भूगोल विभागाध्यक्ष डा. विजय कुमार चौधरी जी ने किया। प्रदर्शनी में कुल ६० प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

प्राणि विज्ञान विभाग प्रदर्शनी में हिमोग्लोबीन की जाँच करता विद्यार्थी

विज्ञान प्रदर्शनी का निरीक्षण करती ले. कर्नल माधवी सिंह

रसायन विज्ञान विभाग में विज्ञान प्रदर्शनी

१७ अक्टूबर को महाविद्यालय में रसायन विज्ञान द्वारा आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में कुल ६५ छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। परास्नातक वर्ग में एम.एस-सी. प्रथम वर्ष की सुश्री प्रतिभा पाण्डेय के मॉडल पेट्रोलियम ऑयल रिफाइनरी को प्रथम सुश्री निशा सिंह, एम.एस-सी. अंतिम वर्ष के मॉडल क्लेम फोटोमेट्री को द्वितीय स्थान तथा सुश्री नेहा सिंह एम.एस-सी. प्रथम वर्ष, श्री विशाल कुमार शाही-एम.एस-सी. द्वितीय वर्ष को संयुक्त रुप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

स्नातक वर्ग में सुश्री गीता सिंह के डी.एन.ए. के डबल हैलिकल मॉडल को प्रथम स्थान, श्री सत्येन्द्र शर्मा के केमेस्ट्री सामान्य जीवन में एवं सुश्री निधि श्रीवास्तव के मॉडल वॉल्टिक सेल को द्वितीय तथा सुश्री नेहा के मॉडल प्रिंसिपल ऑफ प्राड्यूसिंग इलेट्रियूसिंग इलेक्ट्रिसिटी ऑफ पोटैटो को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रदर्शनी का उद्घाटन उ.प्र. १५वीं गर्ल्स बटालियन, एन.सी.सी. की लेफ्टिनेंट कर्नल माधवी सिंह ने किया।

विभागीय कार्यशाला

भारत पर चीनी आक्रमण (२० अक्टूबर १९६२) की पूर्व संध्या पर रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा १९ अक्टूबर को 'भारत-चीन सम्बन्ध : अतीत से वर्तमान तक' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि इस कार्यशाला के मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के पूर्व छात्र सुश्री सृष्टि सिंह, एम.ए. द्वितीय वर्ष, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर तथा मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व छात्र श्री अमित कुमार गुप्ता, एम.ए. प्रथम वर्ष, रक्षा व स्त्रातजिक अध्ययन विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर को आमंत्रित किया गया।

गाँवों में जन जागरण अभियान

२७ अक्टूबर को महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने वाल्मिकी जयन्ती के अवसर पर सामाजिक संस्थागत दायित्व के अन्तर्गत अभिग्रहित १९ गाँवों में स्वच्छता व साक्षरता अभियान चलाया। कुछ गाँवों में गोरखनाथ चिकित्सालय के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। अभियान में १९ विभाग के करीब 300 छात्र-छात्राओं तथा सभी शिक्षकों ने भाग लिया। राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा मँझरिया गाँव में श्रमदान तथा जनजागरण किया गया।

गोद लिये गाँव में स्वास्थ्य शिविर

एक दिवसीय कार्यशाला

२९ अक्टूबर को अंग्रेजी विभाग द्वारा "स्पोकेन इंग्लिश" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में राजकीय कालेज, ढाढा, कुशीनगर के अंग्रेजी विभाग के प्रवक्ता डा. राजेश श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को अंग्रेजी से ना डरने तथा छोटे-छोटे वाक्य बनाकर प्रयोग करने की सलाह देते हुए कहा कि ऐसा करने से आत्मविश्वास बढ़ेगा और आप निडर होकर बड़े वाक्य भी बनाने लगेंगे। उन्होंने अंग्रेजी व्याख्यान के कई कठिन नियमों को आसान तरीके से प्रयोग करने के लिए साधारण नियम बताये। कार्यशाला में कुल ६२ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला का संचालन छात्र सतीश पाण्डेय, उद्घाटन प्राचार्य डा. प्रदीप राव तथा आभार अंग्रेजी विभाग प्रभारी श्रीमती कविता मन्ध्यान ने किया।

कार्यशाला में डा. राजेश श्रीवास्तव

सरदार वल्लभ भाई पटेल जयन्ती

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में ३१ अक्टूबर को सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयन्ती के अवसर पर बतौर मुख्य वक्ता महाविद्यालय के प्राचार्य डा. प्रदीप कुमार राव ने सरदार पटेल को समर्थ भारत के सपनों को साकार करने में अग्रणी बताते हुए युवाओं को उनके जीवन से प्रेरित हो राष्ट्र के प्रति समर्पित होने की अपील की। कार्यक्रम अधिकारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने सभी

स्वयंसेवक/ सेविकाओं को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई।

सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती पर शपथ लेते विद्यार्थी

विशिष्ट व्याख्यान

प्राचीन इतिहास विभाग द्वारा ३ नवम्बर २०१५ को एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। "इतिहास की भारतीय अवधारणा" विषय पर मगध विश्वविद्यालय बोध गया, बिहार के प्राचीन इतिहास विभाग के सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष डॉ. महेश कुमार शरण का बोधगम्य उद्बोधन हुआ। इस विशिष्ट व्याख्यान में स्नातक एवं स्नातकोत्तर के इतिहास एवं प्राचीन इतिहास विषय के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नैक द्वारा मूल्यांकन

नैक पीयर टीम रिपोर्ट प्रदान करती हुई

५ से ७ नवम्बर राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) की पीयर टीम ने ५ नवम्बर को महाविद्यालय का मूल्यांकन आरम्भ किया। टीम में ए.पी.एस. विश्वविद्यालय रीवा के पूर्व कुलपति प्रो. एस.एन. यादव बतौर चेयरपरसन, राजकीय महाविद्यालय, आसनसोल के पूर्व प्राचार्य डा. उपेन्द्र चन्द्र सरकार समन्वयक और गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर के प्रो. एस. बी.एस. चौहान शामिल रहे। प्राचार्य डा. प्रदीप कुमार राव, नैक समन्वय डा. अविनाश प्रताप सिंह एवं एन.एस.एस. छात्रों ने उनका स्वागत किया। प्राचार्य के साथ बैठक के बाद टीम ने कालेज के विभागों का निरीक्षण प्रारम्भ किया जो दो दिन चला।

७ नवम्बर को नैक पीअर टीम ने मूल्यांकन पूरा कर प्राचार्य को अपनी रिपोर्ट का सीलबंद लिफाफा सौंप दिया।

१६ नवम्बर को नैक टीम द्वारा B ग्रेड मिलने की जानकारी महाविद्यालय को दी गयी। नैक मूल्यांकन का परिणाम मिलने पर महाविद्यालयों में शिक्षकों एवं कर्मचारियों की एक बैठक हुयी जिसमें प्राचार्य ने मूल्यांकन को प्रेरणास्पद एवं मार्गदर्शक बताया।

महारानी लक्ष्मीबाई जयन्ती

१६ नवम्बर २०१५ को महाविद्यालय में महारानी लक्ष्मीबाई जयन्ती मनाई गयी। जिसमें प्राचार्य ने लक्ष्मीबाई के त्याग और बलिदान की यशस्वी गौरव गाथा से विद्यार्थियों को प्रेरणा लेने की बात कही।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय संस्थापक सप्ताह समारोह

महाराणा प्रताप महाविद्यालय संस्थापक सप्ताह समारोह के अन्तर्गत महाविद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताएँ २१ से २७ नवम्बर २०१५ तक सम्पन्न हुईं।

काव्य पाठ प्रतियोगिता

संस्थापक समारोह के अन्तर्गत २१ नवम्बर को काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें १५ प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों पर कविता प्रस्तुत किया। यह प्रतियोगिता श्रीमती कविता मन्ध्यान के नेतृत्व में आयोजित हुयी। इस प्रतियोगिता में

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभागी

श्री सतीश पाण्डेय (बी.ए. द्वितीय वर्ष) को प्रथम, श्री धनंजय विश्वकर्मा (एम.ए. प्रथम वर्ष) को द्वितीय तथा सुश्री रिंकी रानी (बी.एड. प्रथम वर्ष) को तृतीय प्राप्त हुआ।

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता

२३ नवम्बर को हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें ३५ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। जिसका विषय ''वैश्विक आतंकवाद : एक चुनौती'' था। बी.काम. भाग दो के श्री ऋषभ कुमार वर्मा प्रथम, बी.ए. भाग तीन के श्री शैलेश कुमार द्वितीय तथा बी.एस-सी. भाग एक के श्री चन्द्रमोहन पटेल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबन्ध प्रतियोगिता के संयोजक डा. अविनाश प्रताप सिंह ने प्रतिभागियों को शुभकामनायें प्रदान की।

जगदीश चन्द्र बोस पुण्यतिथि

महाविद्यालय में २३ नवम्बर को जगदीश चन्द्र बोस पुण्यतिथि के अवसर पर प्रार्थना सभा में उन्हें भावभिनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। डा. जगदीश चन्द्र बोस के योगदान को स्मरण करते हुए राजनीति शास्त्र विभाग के प्रभारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन २४ नवम्बर को संस्थापक सप्ताह समारोह के अन्तर्गत हुआ। इस प्रतियोगिता में एम. एस-सी. द्वितीय वर्ष, रसायन शास्त्र के विद्यार्थी श्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह को तथा बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष के श्री अमन सिन्हा को प्रथम, बी.ए. भाग तीन के श्री सुनील यादव तथा बी.काम. प्रथम वर्ष की सुश्री दृष्टि सिंह को द्वितीय तथा बी.एस-सी. तृतीय वर्ष के श्री संदीप यादव को तृतीय स्थान पर सफलता अर्जित हुई।

प्रश्नमंच प्रतियोगिता

महाविद्यालय संस्थापक समारोह के अन्तर्गत २५ नवम्बर को प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुल ३८ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। ग्रुप सी के श्री अमन सिन्हा एवं श्री संदीप कुमार चौहान को प्रथम तथा ग्रुप एफ के श्री राघवेन्द्र सिंह, सुश्री काजल चौरसिया, श्री अभिषेक श्रीवास्तव तथा श्री विकास जायसवाल को द्वितीय, ग्रुप 'जे' के श्री सुनील यादव, श्री किशन देव, श्री ऋषभ शर्मा तथा श्री संतोष निषाद को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

प्रश्नमंच प्रतियोगिता में प्रतिभागी छात्र-छात्राएं

भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागी छात्रा

अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता

संस्थापक समारोह के अन्तर्गत २६ नवम्बर को 'डेमोग्राफिकल पॉलिटिक्स एण्ड इण्डियाज नेशनल सिक्योरिटी'

विषय पर अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कुल १८ प्रतिभागी सम्मिलित हुए। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बी.एस-सी. प्रथम वर्ष की सुश्री दृष्टि जायसवाल, द्वितीय स्थान पर बी.एस-सी. प्रथम वर्ष की सुश्री अनामिका सिंह तथा तृतीय स्थान पर बी.एस-सी. प्रथम वर्ष के श्री हेमन्त कुमार मिश्रा रहे।

आशुभाषण प्रतियोगिता

संस्थापक समारोह के अन्तर्गत २६ नवम्बर को आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कुल ११ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। आशुभाषण संयोजक डा. अपर्णा मिश्रा थीं। सुश्री प्रियंका दुबे (बी.काम. द्वितीय वर्ष), श्री विवेक कुमार भारती (बी. एस-सी. तृतीय वर्ष) तथा श्री अतुल दुबे (एम.काम. प्रथम वर्ष) को क्रमशः प्रथम द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

वालीबॉल प्रतियोगिता

संस्थापक समारोह के अन्तर्गत २६ नवम्बर को बालक-बालिका वालीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बालक वर्ग की ६ टीमों तथा बालिका वर्ग की ४ टीमों ने प्रतिभाग किया। बालक वर्ग ने विजेता योगिराज बाबा गंभीरनाथ टीम तथा उपविजेता गुरु श्री गोरक्षनाथ टीम रही। बालिका वर्ग में विजेता रानी लक्ष्मीबाई टीम तथा उपविजेता मीराबाई टीम थी।

बालिका वर्ग वालीबॉल प्रतियोगिता

हिन्दी भाषण प्रतियोगिता

संस्थापक समारोह के अन्तर्गत २७ नवम्बर को हिन्दी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुल २३ प्रतिभागियों ने हिन्दी भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। बी.एड. की सुश्री वर्षा सिन्हा को प्रथम, बी.एस-सी. भाग एक की छात्रा सुश्री अंजली शर्मा को द्वितीय तथा बी.काम. भाग एक के छात्र श्री आशीष उपाध्याय को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

बालक वर्ग वालीबॉल प्रतियोगिता

कबड्डी प्रतियोगिता

संस्थापक समारोह के अन्तर्गत २७ नवम्बर को कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। युगपुरुष महन्त दिग्विजयनाथ टीम एवं राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ टीम के मध्य फाइनल मैच खेला गया। जिसमें युगपुरुष महन्त दिग्विजयनाथ टीम विजेता बनी।

विश्व एड्स दिवस

महाविद्यालय में १ दिसबम्र को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा एक जन जागरुकता रैली का आयोजन किया गया। स्वयंसेवकों ने ग्राम मंझरिया एवं हसनगंज होते हुए पुनः महाविद्यालय परिसर में आकर रैली का समारोप किया।

जन जागरण रैली

शोभायात्रा में महाविद्यालय

संस्थापक-सप्ताह समारोह शोभा यात्रा

१९८१ ई. से प्रतिवर्ष ४ से १० दिसम्बर तक महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का संस्थापक-सप्ताह समारोह मनाया जाता है। ४ दिसम्बर को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक-सप्ताह समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम में निकलने वाली शोभायात्रा में महाविद्यालय अपनी पूरी तैयारी से सम्मिलित हुआ और अनुशासन एवं श्रेष्ठ पथसंचलन में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर सर्वोत्तम रहा।

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस

७ दिसंबर को महाविद्यालय में सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम को भूगोल विभाग प्रभारी डा. विजय कुमार चौधरी तथा मुख्य नियंता डा. आर.एन. सिंह ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

संस्थापक-सप्ताह समारोह मुख्य महोत्सव

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक-सप्ताह समारोह मुख्य महोत्सव (१० दिसम्बर) में महाविद्यालय ने सक्रिय भूमिका निभायी। इस समारोह में महाविद्यालय के एम.एस-सी. अंतिम वर्ष की छात्रा सुश्री दीपशिखा मणि त्रिपाठी को स्नातकोत्तर में श्रेष्ठतम् विद्यार्थी का दिग्विजयनाथ स्वर्ण पदक, बी.एस-सी. भाग तीन की सुश्री गीता सिंह को चौधरी रामलखन स्मृति पुरस्कार प्राप्त हुआ। इसी प्रकार अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता में बी.एस-सी. प्रथम वर्ष की सुश्री अनामिका सिंह को द्वितीय स्थान एवं सुश्री दृष्टि जायसवाल को तृतीय स्थान का पुरस्कार प्राप्त हुआ। कम्प्यूटर प्रश्न मंच प्रतियोगिता में सुश्री दृष्टि जायसवाल बी.एस-सी. प्रथम वर्ष, श्री सुगन्धजी श्रीवास्तव बी.एस-सी. तृतीय वर्ष, सुश्री रेशमा हसदा बी.एस-सी. तृतीय वर्ष एवं श्री शहरयार खान की टीम को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। प्रश्न मंच प्रतियोगिता में श्री अमन चौहान बी.ए. तृतीय वर्ष, श्री राघवेन्द्र सिंह-एम.एस-सी. अंतिम वर्ष, सुश्री वर्षा सिन्हा-बी.एड. प्रथम वर्ष एवं सुश्री काजल-बी.एड. प्रथम वर्ष की टीम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। सभी टीमों को प्रमाण-पत्र एवं शील्ड देकर पुरस्कृत किया गया।

स्वर्णपदक प्राप्त करती सुश्री दीपशिखा

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की तरफ से विशेष छात्रवृत्ति बी.एस-सी. भाग एक के श्री अभय सिंह एवं सुश्री प्रियंका सिंह, बी.एस-सी. भाग दो की सुश्री ऋचा श्रीवास्तव एवं सुश्री आंचल कर्ण-बी.एस-सी. भाग तीन की सुश्री गीता सिंह एवं सुश्री प्रियंका चौहान, बी.ए. भाग एक की सुश्री श्वेता सिंह, श्री धनंजय यादव एवं सुश्री कल्याणी सिंह, बी.ए. भाग दो की सुश्री नन्दिनी गुप्ता एवं सुश्री सुनन्दा साहनी, बी.ए. भाग तीन की सुश्री शबनम बानो एवं श्री ऋषभ मिश्र, बी.काम. भाग एक के श्री नीतिन तिवारी एवं सुश्री खुशमंजला, एम.एस-सी. अंतिम वर्ष के सुश्री दीपशिखा त्रिपाठी, सुश्री रूकसार परवीन एवं श्री आदित्य सिंह, एम.काम. प्रथम वर्ष के श्री सतेन्द्र यादव एवं श्री आकाश चन्द्र, बी.एड. प्रथम वर्ष की सुश्री वर्षा सिन्हा एवं दीक्षा श्रीवास्वत को प्राप्त हुआ।

अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार प्राप्त करती छात्राएं

विजय दिवस समारोह

पाकिस्तान युद्ध (१६७१) में भारतीय सेना की उल्लेखनीय सफलता के उपलक्ष्य में १६ दिसम्बर को विजय दिवस की पूर्व संध्या पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री सुबोध कुमार मिश्र थे तथा अध्यक्षता डा. कृष्ण कुमार पाठक ने किया। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी श्रीमती पूजा पाण्डेय एवं आभार ज्ञापन श्री सुभाष गुप्ता ने किया।

कैनवस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता

रा.से.यो. द्वारा जन जानगरण अभियान

राम प्रसाद बिस्मिल एवं अशफाक उल्ला खाँ बलिदान दिवस

१६ दिसम्बर को देश की आजादी के नायक पं. राम प्रसाद बिस्मिल व अशफाक उल्ला खान ने अपने बलिदान से इस देश को अंग्रेजों की दासता से मुक्त कराने में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनके इस त्याग, समर्पण व बलिदान को याद करते हुए महाविद्यालय परिवार ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया तथा उनके जीवन पर विद्यार्थियों के बीच एक परिचर्चा आयोजित की गई।

बिस्मिल स्मृति अन्तर-संकाय कैनवस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता

१६ दिसम्बर को महाविद्यालय में बिस्मिल स्मृति अन्तर-संकाय कैनवस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच छात्रसंघ एवं कला संकाय के मध्य क्रीड़ा प्रभारी डा. मृत्युंजय सिंह के कुशल संयोजन में खेला गया। छात्रसंघ टीम विजयी हुई।

राष्ट्रीय सेवा योजना : द्वितीय एक दिवसीय शिविर

२० दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना का द्वितीय एक दिवसीय शिविर हसनगंज एवं बड़ी जमुनहिया गाँव में सफाई अभियान चलाकर तथा रैली द्वारा लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक कर के सम्पन्न किया गया।

गणित महोत्सव

श्रीनिवासरामानुजम के वर्षगांठ के अवसर पर गणित एवं सांख्यिकी विभाग में गणित महोत्सव का आयोजन २० से २२ दिसम्बर तक हुआ। २० दिसम्बर को विशेष व्याख्यान के साथ इस कार्यक्रम की शुरूआत हुई। विशेष व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में के.आई.पी.एम. कालेज गीडा के एसोसिएट प्रो. डॉ. सत्यप्रकाश सिंह जी उपस्थित थे इस कार्यक्रम में उन्होंने Probability Theory पर अपना व्याख्यान दिया। २१-२२ दिसम्बर को विभागीय छात्र-छात्राओं द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में ५५ छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

रा.से.यो. द्वारा अभिगृहीत गाँव में स्वच्छता अभियान

महामना मदन मोहन मालवीय जयंती

२४ दिसम्बर को मालवीय जयंती की पूर्व संध्या पर महाविद्यालय में पण्डित महामना मदन मोहन मालवीय की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी।

फतेह सिंह व जोरावर सिंह बलिदान दिवस

२६ दिसम्बर को गुरु गोविन्द सिंह के दो पुत्रों फतेह सिंह व जोरावर सिंह जैसे देश भक्तों को औरंगजेब ने मुस्लिम धर्म स्वीकार करने के लिए बाध्य किया परन्तु इन दोनों ने इसका प्रतिकार किया, जिसके फलस्वरूप औरंगजेब के सूबेदार वजीर खान ने इन दोनों बच्चों को जिन्दा दीवार में चुनवा दिया। स्वाभिमान और स्वधर्म हेतु देश के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले इन दोनों गुरुपुत्रों के बलिदान को याद करते हुए महाविद्यालय परिवार ने बलिदान दिवस के अवसर पर इन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

महर्षि रमण जयंती

महान विचारक एवं आध्यात्मिक सन्त महर्षि रमण ने जनमानस को धर्म के वास्तविक स्वरूप से परिचित कराने का जो महान कार्य किया है उसके लिए भारतीय समाज नित नतमस्तक है। ऐसे महान विचारक एवं महात्मा की जयंती के अवसर पर ३० दिसम्बर को महाविद्यालय परिवार द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

सोमनाथ मन्दिर विध्वंस

७ जनवरी २०१६ को महाविद्यालय की प्रार्थना सभा में सोमनाथ मंदिर विध्वंस के बारे में छात्रों को जानकारी दी गयी और मंदिर विध्वंस को बचाने के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग कर देने वाले लोगों को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

भारत-भारती पखवारा १२ जनवरी से २६ जनवरी

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में महाविद्यालय में प्रतिवर्ष की भाँति स्वामी विवेकानन्द जयन्ती से गणतन्त्र दिवस तक भारत-भारती पखवारे का आयोजन किया गया। भारत-भारती पखवारा के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के भूतपूर्व अध्यक्ष, उच्चतर शिक्षा सेवा चयन बोर्ड, उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष, प्रतिष्ठित साहित्यकार एवं संवेदनशील समाजसेवी प्रोफेसर प्रताप सिंह ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि अशिक्षा, गरीबी राष्ट्र उत्थान में सबसे बड़ी बाधा है। शिक्षा के माध्यम से उनको अन्याय और अत्याचार से मुक्ति दिलाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानन्द का पूरा चिन्तन गरीबी और अशिक्षा से मुक्ति प्राप्त करने का संदेश देता है।

भारत-भारती पखवारा के उद्घाटन अवसर पर प्रो. प्रताप सिंह

कार्यक्रम में भूगोल विभाग के अध्यक्ष डा. विजय कुमार चौधरी, डा. मृत्युंजय सिंह, सुश्री दीप्ति गुप्ता, डा. यशवंत राव ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

मेंहदी प्रतियोगिता

स्वामी विवेकानन्द स्मृति मेंहदी प्रतियोगिता

१२ जनवरी को स्वामी विवेकानन्द स्मृति मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष की सुश्री शशि चौहान को प्रथम, बी.काम. प्रथम वर्ष की सुश्री नेहा भारती को द्वितीय तथा बी.एड. प्रथम वर्ष की सुश्री रिंकी रानी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

व्याख्यान प्रतियोगिता में पी.पी.टी. पर व्याख्यान देती छात्रा

व्याख्यान प्रतियोगिता

अंग्रेजी विभाग द्वारा १३ जनवरी को व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के अंग्रेजी विभाग के ५४ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। बी.ए. द्वितीय वर्ष की सुश्री पल्लवी श्रीवास्तव, बी.ए. द्वितीय वर्ष के श्री सतीश पाण्डेय एवं बी.ए. तृतीय वर्ष की सुश्री निशा ज्योति को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

गुरु श्री गोरक्षनाथ वॉलीबाल प्रतियोगिता

१३-१४ जनवरी को गुरु श्री गोरक्षनाथ स्मृति वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बालक वर्ग में विजेता योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम की टीम रही तथा उपविजेता का पदक छात्रसंघ की टीम ने प्राप्त किया। बालिका वर्ग में विजेता महारानी लक्ष्मीबाई टीम तथा उपविजेता मीराबाई टीम रही।

वॉलीबाल प्रतियोगिता में विद्यार्थी

शैक्षणिक भ्रमण

छात्रसंघ द्वारा १६ जनवरी को महात्मा बुद्ध के परिनिर्वाण स्थल कुशीनगर का एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण में महाविद्यालय के ८५ छात्र/छात्राओं सहित शिक्षकों ने भी सहभाग किया।

योगिराज बाबा गम्भीरनाथ एकल गायन

१८ जनवरी को योगिराज बाबा गम्भीरनाथ एकल गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भजन गायन में एम.एस-सी. द्वितीय वर्ष की सुश्री अनुजा श्रीवास्तव को प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम वर्ष की सुश्री वर्षा जायसवाल एवं बी.एड. प्रथम वर्ष की सुश्री रिंकी रानी को द्वितीय स्थान तथा एम.एस-सी. द्वितीय वर्ष की सुश्री दीपिका मिश्रा और बी.एड. प्रथम वर्ष की सुश्री शालिनी श्रीवास्तव को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

देशभक्ति गीत में बी.एस-सी. प्रथम वर्ष के श्री समीर को प्रथम स्थान, एम.एस-सी. द्वितीय वर्ष के श्री अनूप कुमार तथा एम. काम. द्वितीय वर्ष के श्री रोहित को द्वितीय स्थान तथा एम.काम. प्रथम वर्ष के श्री सत्यम तथा बी.काम. की सुश्री नेहा भारती को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

एकल गायन प्रतियोगिता में छात्रा

व्याख्यान देते प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी

महाराणा प्रताप स्मृति व्याख्यान

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में १६ जनवरी को महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि पर आयोजित व्यख्यान में बतौर मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के मध्यकालीन इतिहास के विभागाध्यक्ष प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी ने अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन भारत के लिए हमेशा प्रेरणादायी रहा है। उनका त्याग और बलिदान अनुकरणीय है। समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने की।

महाराणा प्रताप स्मृति निबन्ध प्रतियोगिता

१६ जनवरी को महाराणा प्रताप स्मृति निबन्ध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। बी.एड. प्रथम वर्ष की सुश्री वर्षा सिन्हा को प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय वर्ष के श्री शैलेष कुमार द्वितीय एवं बी.एस-सी. प्रथम वर्ष की सुश्री गरिमा जायसवाल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

एथलेटिक्स प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते छात्र

महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति एथलेटिक्स प्रतियोगिता

२० जनवरी को महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कुल ६० खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। गोला फेंक प्रतियोगिता में श्री तनवीर अहमद बी.ए. तृतीय वर्ष ने प्रथम स्थान, श्री आशीष राय एम.ए. प्रथम वर्ष ने द्वितीय स्थान तथा श्री चन्द्र प्रकाश बी.ए. तृतीय वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लम्बी कूद प्रतियोगिता में श्री शुभम शर्मा बी.काम. प्रथम वर्ष ने प्रथम स्थान, श्री दीपक प्रजापति बी.काम. द्वितीय वर्ष ने द्वितीय स्थान तथा श्री शैलेश कुमार चौहान बी.ए. तृतीय वर्ष और श्री अश्वनी प्रजापति बी.काम. प्रथम वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाला फेंक प्रतियोगिता में श्री शैलेष कुमार चौहान बी.ए. तृतीय वर्ष ने प्रथम स्थान, मेहताब अली बी.ए. द्वितीय वर्ष ने द्वितीय स्थान तथा श्री आशीष राय एम.ए. प्रथम वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

व्याख्यान प्रतियोगिता में व्याख्यान प्रस्तुत करता छात्र

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

२१ जनवरी को हिन्दी विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन विभाग प्रभारी डा. आरती सिंह के कुशल निर्देशन में किया गया, जिसमें तीनों वर्षों के कुल १८ विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। बी.ए. तृतीय वर्ष के श्री सुनील कुमार यादव, बी.ए. द्वितीय वर्ष के श्री सतीश पाण्डेय एवं तृतीय वर्ष की सुश्री रूपांजलि को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति दौड़ प्रतियोगिता

२१ जनवरी को राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें १०० मीटर दौड़ बालक वर्ग में श्री बीरबल कुमार गुप्ता बी.ए. तृतीय वर्ष ने प्रथम स्थान श्री मेहताब अली बी.ए. द्वितीय वर्ष ने द्वितीय स्थान तथा श्री अश्वनी

प्रजापति बी.काम. प्रथम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। १०० मीटर दौड़ बालिका वर्ग में सुश्री अमिता राय बी.ए. द्वितीय वर्ष ने प्रथम स्थान, सुश्री तेजस्विनी यादव बी.काम. द्वितीय वर्ष ने द्वितीय स्थान तथा सुश्री रंजना चौहान बी.ए. प्रथम वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। २०० मीटर दौड़ में श्री रिंकू यादव बी.ए. द्वितीय वर्ष ने प्रथम स्थान, श्री अश्वनी प्रजापति बी.काम. प्रथम वर्ष ने द्वितीय स्थान तथा श्री दीपक प्रजापति बी.ए. द्वितीय वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। ४०० मीटर दौड़ में श्री मुकेश कश्यप बी.ए. प्रथम वर्ष ने प्रथम स्थान, श्री संतोष कुमार निषाद बी.ए. तृतीय वर्ष ने द्वितीय स्थान तथा श्री अनूप कुमार यादव एम.एस-सी. प्रथम वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

दौड़ प्रतियोगिता में प्रतिभागी

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में २२ जनवरी को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती की पूर्व संध्या पर महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता हिन्दुस्तान समाचार पत्र के वरिष्ठ पत्रकार श्री अजय सिंह ने कहा कि स्वतन्त्रता के लिए नेताजी ने सब कुछ समर्पित करते हुए ब्रिटिश सत्ता के समक्ष जो चुनौती खड़ी की, उसका आज भी इतिहास के पन्नों में कोई दूसरा उदाहरण नहीं मिलता। इस अवसर पर वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए नेता जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला।

व्याख्यान देते वरिष्ठ पत्रकार श्री अजय सिंह

सुभाष चन्द्र बोस स्मृति पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

२३ जनवरी को सुभाष चन्द्र बोस स्मृति पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सुश्री गरिमा जायसवाल बी.ए. प्रथम वर्ष को प्रथम स्थान, सुश्री रमनप्रीत कौर बी.एस-सी. तृतीय वर्ष को द्वितीय स्थान एवं सुश्री रिंकी रानी बी.एड. प्रथम वर्ष को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

राष्ट्रीय सेवा योजना : तृतीय एक दिवसीय शिविर

२४ जनवरी २०१६ को राष्ट्रीय सेवा योजना का तृतीय एक दिवसीय शिविर अभिगृहित गाँव एवं गोरक्षनाथ मंदिर में सेवा कार्य के साथ सम्पन्न हुआ। शिविर में खिचड़ी मेला में आये हुए दर्शनार्थियों का सहयोग एवं अभिगृहित गाँव में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया।

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

२५ जनवरी २०१६ को वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें वनस्पति विज्ञान के तीनों वर्ष के कुल १६ विद्यार्थियों ने पावर प्वाइंट द्वारा वनस्पति विज्ञान के विभिन्न शीर्षकों पर अपना शोध व्याख्यान प्रस्तुत किया। इसमें सुश्री जूही पाण्डेय तृतीय वर्ष प्रथम रही। सुश्री प्रियंका चौहान तृतीय वर्ष एवं सुश्री सुषमा सिंह प्रथम वर्ष क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहीं।

गणतन्त्र दिवस के अवसर पर कार्यक्रम प्रस्तुत करते विद्यार्थी

रंगोली प्रतियोगिता

२५ जनवरी को भारत भारती पखवारे के अन्तर्गत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सुश्री निशा वर्मा, श्री अनिकेत बी.काम. द्वितीय वर्ष को प्रथम स्थान सुश्री अंजनि, सुश्री चन्द्रकला, सुश्री अनुराधा बी.ए. द्वितीय वर्ष को द्वितीय स्थान तथा सुश्री काजल, सुश्री रिंकी बी.एड. प्रथम वर्ष को तृतीय स्थान मिला।

भारत-भारती पखवारा समापन एवं गणतन्त्र दिवस समारोह

२६ जनवरी का दिन हमारे देश के लिए महत्वपूर्ण दिन है। इसी दिन हमारे देश का संविधान लागू हुआ था। गणतंत्र दिवस समारोह का शुभारम्भ प्राचार्य द्वारा ध्वजारोहण के साथ शुरू हुआ। तत्पश्चात कार्यक्रम में छात्र/छात्राओं द्वारा राष्ट्रभक्ति गीत, नृत्य, काव्य पाठ, प्रेरणास्पद उद्बोधन के साथ गणतन्त्र दिवस समारोह मनाते हुए भारत-भारती पखवारा आयोजन सम्पन्न हुआ। इस समारोह के मुख्य अतिथि मूल जी जेइठा कालेज, जलगाँव, महाराष्ट्र के डा. योगेश बोड़से रहे। समारोह की अध्यक्षता प्राचार्य ने की।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि डा. योगेश बोरसे

समारोह के उपरान्त शिक्षकों तथा कर्मचारियों के मध्य रस्सा-कस्सी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षकों ने ३-० से बाजी मारी।

राजनीति शास्त्र विभाग में शोध-व्याख्यान

२८ जनवरी को महाविद्यालय में राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा आयोजित शोध-व्याख्यान प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय वर्ष की सुश्री मनीषा सिंह, बी.ए. द्वितीय वर्ष की सुश्री तनु कुमारी तथा बी.ए. द्वितीय वर्ष के श्री अजहरूद्दीन अली को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कुल २० विद्यार्थियों में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

व्याख्यान प्रतियोगिता के प्रतिभागी

समाजशास्त्र विभाग में शोध-व्याख्यान

२९ जनवरी को महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में शोध-व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ५२ छात्र-छात्राओं ने अपना हस्तलिखित शोध प्रपत्र प्रस्तुत किया। इसमें समाजशास्त्र विभाग के तीनों वर्षों के छात्र-छात्राओं ने सक्रिय रूप से सहभाग किया।

बाह्य विषय विशेषज्ञों का महाविद्यालय भ्रमण

२९ जनवरी २०१६ को रक्षा एवं स्त्रातजिक अधययन विभाग एवं यू.जी.सी. द्वारा दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में आयोजित ८वें पुनःश्चर्या पाठ्यक्रम में सहभाग करने वाले हरियाणा, महाराष्ट्र और उ.प्र. के कुल ९ प्रतिभागी शिक्षाविदों को

महाविद्यालय में भ्रमण हेतु आमंत्रित किया गया। इन प्रतिभागियों ने न केवल रक्षा व स्त्रातजिक अध्ययन विभाग की कार्य प्रणाली लैब, पुस्तकालय को देखा अपितु महाविद्यालय की अत्याधुनिक सुविधाओं अनुशासन, तथा कार्य प्रणाली एवं योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। इन प्रतिभागियों ने अपने अनुभव तथा कार्य प्रणाली से महाविद्यालय के शिक्षकों तथा प्राचार्य को भी अवगत कराया। महाविद्यालय भ्रमण पर आने वाले शिक्षकों में डा. रमा भाटिया-असिस्टेन्ट प्राफेसर, डी.ए.वी. कालेज, कानपुर, डा. योगेश बाजवान-असिस्टेन्ट प्रोफेसर, गवर्नमेन्ट कालेज, बहादुरपुर, श्री योगेश वोडसे-असिस्टेन्ट प्रोफेसर मूल जी जइठा, जलगांव महाराष्ट्र, अजय कुमार मिश्र-असिस्टेन्ट प्रोफेसर, साकेत पी.जी. कालेज अयोध्या, डा. राकेश इस्तवाल-असिस्टेन्ट प्रोफेसर, गवर्नमेन्ट डिग्री कालेज, गढ़वाल, डा. सतीश कुमार यादव-असिस्टेन्ट प्रोफेसर-गवर्नमेन्ट कालेज, हरियाणा, डा. नवीन कुमार-असिस्टेन्ट प्रोफेसर, एफ.जी.एम. गवर्नमेन्ट कालेज, हिसार, डा. मनोज कुमार उनियल-असिस्टेन्ट प्रोफेसर, गवर्नमेन्ट पी.जी. कालेज, उत्तराखण्ड, डा. दीर्घपाल सिंह भण्डारी-असिस्टेन्ट प्रोफेसर, गवर्नमेन्ट कालेज, गढ़वाल।

व्याख्यान देता प्रतिभागी

वाणिज्य विभाग में शोध-व्याख्यान प्रतियोगिता

३० जनवरी २०१६ को वाणिज्य विभाग में 'कृषि योजनाओं का मूल्यांकन' विषय पर एक दिवसीय शोध-व्याख्यान प्रतियोगिता में १३ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया जिसमें भूमि क्षरण, सिंचाई, हवाओं की दिशा, फसलों की उन्नत किस्म, वर्षा की मात्रा, फसल बीमा, विक्रय व्यवस्था, ऋण अनुदान, किसान क्रेडिट कार्ड, पशुपालन, मत्स्यपालन, भूमि अधिग्रहण नीति जैसे अनेक आयामों पर प्रकाश डालते हुए अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल बी.काम. तृतीय वर्ष को प्रथम स्थान, श्री अतुल कुमार दुबे, एम.काम. प्रथम वर्ष को द्वितीय स्थान तथा श्री बिजेन्द्र कुमार यादव एवं सुश्री नम्रता पाण्डेय बी.काम. प्रथम वर्ष को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

रा.से.यो. विशेष शिविर के उद्घाटन अवसर पर डा. शेर बहादुर सिंह

राष्ट्रीय सेवा योजना : सात दिवसीय विशेष शिविर

१-७ फरवरी २०१६ को गुरु श्री गोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई का संयुक्त सात दिवसीय विशेष शिविर अभिगृहित गाँव छोटी रेतवहिया, जंगल धूसड़ में आयोजित किया गया। ०१ फरवरी को उद्घाटन कार्यक्रम में दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज के प्राचार्य डॉ. शेर बहादुर सिंह, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह तथा महाविद्यालय के प्राचार्य ने शिविरार्थियों को सम्बोधित किया। संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया तथा आभार कार्यक्रम अधिकारी डा. यशवंत कुमार राव ने ज्ञापित किया।

रा.से.यो. के बौद्धिक सत्र में डा. बलवान सिंह

रा.से.यो. के बौद्धिक सत्र में डा. वेद प्रकाश पाण्डेय

इस अवसर पर डॉ. मृत्युंजय कुमार सिंह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी सुश्री दीप्ती गुप्ता सहित महाविद्यालय के शिक्षक तथा स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकायें उपस्थित रहीं।

०२ फरवरी को बौद्धिक सत्र में भटवली पी.जी. कालेज उनवल बाजार के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के एसोसिएट प्रो. डॉ. बलवान सिंह ने 'योग अध्यात्म और उसका जीवन में प्रभाव' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डा. अविनाश प्रताप सिंह आभार डा. यशवंत कुमार राव ने किया। इस अवसर पर डा. मृत्युजंय कुमार सिंह तथा सुश्री दीप्ती गुप्ता ने भी अपना विचार प्रस्तुत किया।

०३ फरवरी को 'विद्यार्थी में क्रियात्मक शक्ति का विकास' विषय पर किसान पी.जी. कालेज सेवरही कुशीनगर के पूर्व प्राचार्य एवं प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय ने रोचक व्याख्यान प्रस्तुत कर शिविरार्थियों का मार्गदर्शन किया। संचालन आशीष राय ने तथा आभार डा. मृत्युजंय कुमार सिंह ने किया।

०४ फरवरी को शिविरार्थियों का मार्गदर्शन महानगर के प्रतिष्ठित आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. दिनेश कुमार सिंह ने 'प्रकृति और युवा' विषय पर व्याख्यान के माध्यम से किया। संचालन स्वयंसेवक श्री अभिषेक चौधरी तथा आभार डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

रा.से.यो. के बौद्धिक सत्र में डा. दिनेश सिंह

रा.से.यो. के बौद्धिक सत्र में डा. राजकिशोर सिंह

०५ फरवरी को शिविर को सम्बोधित करते हुए बी.आर.डी. मेडिकल कालेज के एसोसिएट प्रो. डॉ. राजकिशोर सिंह ने शिविरार्थियों को स्वस्थ जीवन के मूलमंत्र दिए। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव सहित डा. मृत्युजंय कुमार सिंह, डा. यशवंत कुमार राव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

०६ फरवरी को शिविर को दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज के बी.एड. विभाग के वरिष्ठ प्रवक्ता एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजशरण शाही ने 'भारतीय धर्म, शिक्षा और स्वामी विवेकानन्द' विषय पर शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया।

रा.से.यो. के बौद्धिक सत्र में डा. राजशरण शाही

०७ फरवरी को सात दिवसीय विशेष शिविर के समापन

अवसर पर शिविरार्थियों को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अजय शुक्ल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता किया। मुख्य अतिथि दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज के मुख्य नियन्ता डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह रहे। समापन कार्यक्रम में मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

रा.से.यो. के समापन समारोह में डा. शैलेन्द्र प्रताप सिंह

गोद लिए गाँव में जनजागरण अभियान

सामाजिक संस्थागत दायित्व के अन्तर्गत ७ फरवरी को राजनीतिशास्त्र, भूगोल, रसायनशास्त्र, कम्प्यूटर साइंस, रक्षा अध्ययन, शिक्षाशास्त्र, गृहविज्ञान, प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, समाजशास्त्र, गणित, सांख्यिकी आदि विभागों ने अपने-अपने अभिगृहित ग्राम में शिविर का आयोजन कर स्वच्छता शिक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। शेष अंग्रेजी, हिन्दी, इतिहास, प्राचीन इतिहास, भौतिकी, इलेक्ट्रानिक्स एवं बी.एड. विभाग ने १० फरवरी को अपने-अपने अभिगृहित गाँव में उक्त अभियान चलाया।

गोद लिए गाँव में बच्चों के बीच महाविद्यालय

विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा

०३ फरवरी से २० फरवरी तक महाविद्यालय में विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा का कुशलता पूर्वक संचालन सम्पन्न हुआ। २२ फरवरी को इसका परिणाम सूचना-पट्ट पर घोषित कर दिया गया। इस परीक्षा में अपने-अपने विषयों में टापर्स विद्यार्थियों को अगले वर्ष के छात्र प्रवेश समिति में सदस्य नामित किया गया।

सरस्वती पूजन

वसन्त पंचमी (१३ फरवरी) को प्रतिवर्ष की भाँति महाविद्यालय में सरस्वती पूजन का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव सहित शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्रायें सम्मिलित हुए। पूजन में मनोविज्ञान की प्रवक्ता सुश्री अपर्णा मिश्रा यजमान के रूप में सम्मिलित हुई।

महाविद्यालय में सरस्वती पूजा

एक संवाद : देश के लिए

एक संवाद : देश के लिए

महाविद्यालय में २० फरवरी को 'एक संवाद : देश के लिए'

कार्यक्रम के अन्तर्गत ''शैक्षिक संस्थाओं में राष्ट्रबोध'' विषय पर संवाद कार्यक्रम जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय और जादवपुर विश्वविद्यालय में राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के सन्दर्भ में आयोजित किया गया। इसमें प्रमुख रूप से प्रो. यू.पी. सिंह, प्रो. राम अचल सिंह, प्रो. सी.वी. सिंह, डॉ. एल.पी. पाण्डेय, डॉ. राजेश सिंह सहित अनेक विद्वानजन सम्मिलित हुए।

राष्ट्रीय सेवा योजना : चतुर्थ एक दिवसीय शिविर

23 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना का चतुर्थ एक दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। अभिगृहीत गाँव, छोटी रेतवहिया में विशेष शिविर के उपरान्त कार्यों की समीक्षा की गयी तथा साफ-सफाई हेतु ग्रामवासियों को जागृत किया गया।

शिक्षक कार्यशाला

महाविद्यालय में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला साप्ताहिक शिक्षक कार्यशाला शिक्षकों के अध्ययन-अध्यापन के अनवरत विकास यात्रा को जारी रखते हुए 'वर्तमान शिक्षण प्रविधि एवं अनुभव आधारित सुधार' के माध्यम से शैक्षिक वातावरण को और उन्नत करने के उद्देश्य से सम्पन्न हुई।

एक शिक्षक कार्यशाला में प्रो. यू.पी. सिंह

समावर्तन-२०१६

प्रतिवर्ष सत्रान्त में होने वाला इस सत्र का समावर्तन संस्कार समारोह 27 फरवरी को सम्पन्न हुआ। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. गिरीशचन्द्र त्रिपाठी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। समावर्तन उपदेश महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष पूर्व कुलपति प्रो. यू.पी. सिंह ने दिया। गोरक्षपीठाधीश्वर पूज्य महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज के कृपापूर्ण शुभाशीष के साथ यह गरिमामयी आयोजन ने पूर्णता प्राप्त की।

प्रार्थना सभा में मनाए गए दिवस

दिनाँक	दिवस
अगस्त	
१४	महर्षि अरविंद जयंती की पूर्व संध्या
१७	मदन लाल धींगड़ा बलिदान दिवस
२४	राजगुरु जयन्ती
२५	रास बिहारी बोस जयन्ती
२६	रानी पद्ममिनी जौहर दिवस
सितम्बर	
४	दादा भाई नौरोजी जयन्ती, रामकृष्ण परमहंस पुण्यतिथि
५	शिक्षक दिवस
१०	गोविन्द बल्लभ पंत, आचार्य विनोबा भावे जयन्ती
११	महादेवी वर्मा पुण्यतिथि
१२	अहिल्याबाई होल्कर पुण्यतिथि, यतिन्द्रनाथ बोस बलिदान दिवस (पूर्व संध्या)
१४	महादेवी वर्मा जयन्ती (हिन्दी दिवस)
१५	एम. विश्वेश्वरैया जयंती (इन्जीनियर्स डे)
१६	विश्व ओजोन संरक्षण दिवस
२१	महर्षि दधीचि जयन्ती
२२	गुरुनानक देव पुण्यतिथि
२४	दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती (पूर्व संध्या)
२६	राजा राममोहन राय पुण्य तिथि (पूर्व संध्या)
२८	सरदार भगत सिंह जयन्ती
२६	ईश्वर चन्द विद्यासागर जयन्ती
अक्टूबर	
८	मुंशी प्रेमचन्द स्मृति दिवस
१०	जयप्रकाश नारायण जयन्ती (पूर्व संध्या)
२८	गुरु गोविन्द सिंह पुण्यतिथि
३१	सरदार बल्लभ भाई पटेल जयन्ती

दिनाँक	दिवस
नवम्बर	
४	वासुदेव बलवन्त फड़के जयन्ती
६	महात्मा ज्योतिबा फूले जयन्ती
७	चन्द्रशेखर वेंकटरमण जयन्ती
१४	विश्वामित्र जयन्ती, आचार्य विनोबा भावे जयन्ती
१६	महारानी लक्ष्मीबाई जयन्ती
२१	ज्योतिबा फूले पुण्यतिथि
	कालीदास जयन्ती (पूर्व संध्या)
२३	जगदीश चन्द्र बोस पुण्यतिथि
२४	गुरुतेगबहादुर बलिदान दिवस
२५	गुरुनानक जयन्ती
दिसम्बर	
३	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयन्ती
११	बिरसा मुंडा जयन्ती
१४	बीर छत्रसाल पुण्यतिथि
१५	सरदार भगत सिंह द्वारा साण्डर्स वध
१६	विजय दिवस
१७	ठाकुर रौशन सिंह एवं राजेन्द्र लाहिड़ी बलिदान दिवस
१६	रामप्रसाद बिस्मिल, असफाक उल्ला खाँ बलिदान दिवस
२४	अजीत सिंह, जुझार सिंह बलिदान दिवस
२६	फतेह सिंह, जोरावर सिंह बलिदान दिवस
३०	महर्षि रमण जयन्ती
जनवरी	
७	सोमनाथ मंदिर विध्वंस दिवस
१४	गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती (पूर्व संध्या)
२३	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती
२८	लाला लाजपत राय जयन्ती
३०	महात्मा गाँधी पुण्यतिथि

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

प्रबन्ध समिति

अध्यक्ष	प्रो. यू.पी. सिंह	पूर्व कुलपति
उपाध्यक्ष	श्री धर्मेन्द्र नाथ वर्मा	अधिवक्ता
प्रबन्धक	श्री महन्त योगी आदित्यनाथ	सांसद, धर्माचार्य
सदस्य	श्री प्रमोद कुमार चौधरी	प्रतिष्ठित व्यवसायी
	श्री योगी त्यागीनाथ	धर्माचार्य
	श्री पारसनाथ मिश्रा	अधिवक्ता
	श्री प्यारे मोहन सरकार	अधिवक्ता
	श्री गोरक्ष प्रताप सिंह	शिक्षाविद्
	श्री योगी कमलनाथ	धर्माचार्य
	श्री रामजन्म सिंह	प्रधानाचार्य
	श्री द्वारिका तिवारी	अध्यापक

शिक्षक-अभिभावक समिति

अध्यक्ष	श्री ए.के. सिंह	अभिभावक
उपाध्यक्ष	श्री दीपचन्द चौरसिया	अभिभावक
	श्री लक्ष्मण कुमार दास	अभिभावक
सचिव	श्री महेश सैनी	अभिभावक
सदस्य	डॉ. टी.एन. मिश्र	अभिभावक
	श्री इन्द्रजीत दूबे	अभिभावक
	श्री संजय जायसवाल	अभिभावक
	श्री दिलीप कुमार चौहान	अभिभावक
	श्रीमती आशा जायसवाल	अभिभावक
	श्री हरेन्द्र कुमार मिश्र	अभिभावक
	श्री राजेश भारती	अभिभावक
	डॉ. राम सहाय	शिक्षक

शिक्षक संघ

अध्यक्ष	श्रीमती कविता मन्ध्यान
उपाध्यक्ष	डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह
महामंत्री	श्री प्रदीप वर्मा
सदस्य	श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी
	डॉ. राजेश शुक्ल
	डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह
	श्री गोविन्द कुमार वर्मा

छात्र संघ

अध्यक्ष	श्री सिद्धार्थ कुमार द्विवेदी	बी.ए. तृतीय वर्ष
उपाध्यक्ष	श्री महेश कुमार	बी.ए. तृतीय वर्ष
महामंत्री	श्री सतीश पाण्डेय	बी.ए. द्वितीय वर्ष

छात्र संघ के प्रतिनिधि

छात्र संघ के प्रतिनिधि

विषय	कक्षा	प्रतिनिधि
रसायनशास्त्र	भाग-एक	अभिषेक चौहान
	भाग-दो	शुभम् सिंह
	भाग-तीन	प्रियंका चौहान
गणित	भाग-एक	नवाब अंसारी
	भाग-दो	सूरज खेतान
	भाग-तीन	निखिता सिंह
भौतिकी	भाग-एक	बजरंग बली
	भाग-दो	अवधेश कुमार
	भाग-तीन	दिव्यम् सिंह
प्राणि विज्ञान	भाग-एक	राजनन्दिनी चौधरी
	भाग-दो	जूही पाण्डेय
	भाग-तीन	खुशबू मिश्रा
वनस्पति विज्ञान	भाग-एक	दीपिका यादव
	भाग-दो	अर्चना गुप्ता
	भाग-तीन	अराधना सिंह
कम्प्यूटर साइंस	भाग-एक	सौरभ जायसवाल
	भाग-दो	काली शंकर पाण्डेय
	भाग-तीन	नीरज शुक्ला
सांख्यिकी	भाग-एक	अंकित कुमार
	भाग-दो	ज्योति पाण्डेय
	भाग-तीन	निधि सिंह
वाणिज्य	भाग-एक	शिवम् मिश्रा
	भाग-दो	अनुराग त्रिपाठी
	भाग-तीन	शुभम् पाण्डेय
हिन्दी	भाग-एक	सीमा प्रजापति
	भाग-दो	नन्दनी गुप्ता
	भाग-तीन	आनन्द कुमार चौरसिया
अंग्रेजी	भाग-एक	अंजनी चौहान
	भाग-दो	शिवांगी सिंह
	भाग-तीन	शबनम बानो
राजनीतिशास्त्र	भाग-एक	ज्ञान प्रताप सिंह
	भाग-दो	चन्द्रेश कुमार
	भाग-तीन	किरन चौहान
समाजशास्त्र	भाग-एक	बलवन्त कुमार मौर्या
	भाग-दो	तनु कुमारी
	भाग-तीन	निशा ज्योति
प्राचीन इतिहास	भाग-एक	अनूप कुमार
	भाग-दो	राधिका चौहान
	भाग-तीन	मनीषा सिंह
इतिहास	भाग-एक	मुकेश कश्यप
	भाग-दो	कल्याणी भारती
	भाग-तीन	महेश कुमार
अर्थशास्त्र	भाग-एक	वन्दना भारती
	भाग-दो	संदीप प्रजापति
	भाग-तीन	मोनी शर्मा
भूगोल	भाग-एक	प्रियंका गुप्ता
	भाग-दो	निशा वर्मा
	भाग-तीन	सन्नी कुमार साहनी
मनोविज्ञान	भाग-एक	साक्षी मिश्रा
	भाग-दो	मयंक तिवारी
	भाग-तीन	सिद्धार्थ कुमार द्विवेदी
रक्षा अध्ययन	भाग-एक	अविनाश कुमार पाण्डेय
	भाग-दो	सतीश पाण्डेय
	भाग-तीन	सोनू कुमार सिंह
गृह विज्ञान	भाग-एक	श्वेता सिंह
संस्कृत	भाग-एक	लागू नहीं
शिक्षाशास्त्र	भाग-एक	रोशनी
बी.एड.	भाग-एक	काजल चौरसिया
प्राचीन इतिहास (एम.ए.)	भाग-एक	आशीष राय
	भाग-दो	लागू नहीं
रसायनशास्त्र (एम.एस-सी.)	प्रथम वर्ष	किरन सिंह
	अन्तिम वर्ष	रूख्सार परवीन
राजनीतिशास्त्र (एम.ए.)	भाग-एक	राकेश कुमार
वाणिज्य (एम.काम.)	भाग-एक	कृष्णा यादव
मनोनीत सदस्य	क्रीड़ा	अनुपम त्रिपाठी
	सांस्कृतिक विभाग	शशि गुप्ता

पुरातन छात्र परिषद

अध्यक्ष	श्री मनीष कुमार दूबे
उपाध्यक्ष	श्री कृष्णानन्द
उपाध्यक्ष	श्री दीपचन्द
महामंत्री	श्री गौरव कुमार सिंह
सहमंत्री	श्री विशाल कुमार
सहमंत्री	श्री चन्द्रभान गुप्त
सदस्य	श्री सुजीत कुमार सिंह
	श्री दीपक कुमार
	श्री जयहिन्द यादव
	श्री सचिन कुमार
	श्री प्रदीप कुमार पाण्डेय
	सुश्री सृष्टि सिंह
	श्री त्रिपुरेश कुमार
	श्री सुजीत कुमार सिंह
	श्री अनिल कुमार गुप्त

नियन्ता मण्डल

मुख्य नियन्ता	डॉ. आर.एन. सिंह
सदस्य	डॉ. विजय कुमार चौधरी
	डॉ. शिव कुमार वर्मा
	डॉ. अविनाश प्रताप सिंह
	सुश्री कविता मन्ध्यान
	डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह
	डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव
	श्री मंजेश्वर

छात्र नियन्ता मण्डल

प्रभारी	डॉ. आर.एन. सिंह
सदस्य	श्री आशीष राय
	सुश्री निशा ज्योति
	श्री ज्ञान प्रताप सिंह
	सुश्री प्रियंका गुप्ता
	श्री अभिषेक चौहान
	श्री अंजनी चौहान
	श्री दिव्यम सिंह
	सुश्री तनु कुमारी

प्रवेश समिति

संयोजक	डॉ. विजय कुमार चौधरी
सदस्य	डॉ. अरूण कुमार राव
	डॉ. रामसहाय
	श्री सुबोध कुमार मिश्र
	डॉ. राजेश कुमार शुक्ल
	श्री नन्दन शर्मा
	श्री विनय कुमार सिंह
	डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव
	सुश्री मनीता सिंह
	श्री सुभाष गुप्ता
	डा. अपर्णा मिश्रा

चक्रानुक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों का सहयोग लिया जाता है।

प्रवेश समिति सदस्य (छात्र/छात्राएं)

छात्र का नाम	कक्षा
अर्चना गुप्ता	बी.एस-सी. भाग-दो
निकिता सिंह	बी.एस-सी. भाग-दो
ज़िवा खातुन	बी.एस-सी. भाग-दो
प्रियंका चौहान	बी.एस-सी. भाग-तीन
गीता सिंह	बी.एस-सी. भाग-तीन
शुभम् पाण्डेय	बी.काम. भाग-तीन
श्वेता मौर्या	बी.काम. भाग-तीन
आदित्य कुमार पाण्डेय	बी.काम. भाग-तीन
सुष्मिता सिंह	बी.काम. भाग-दो
नन्दिनी गुप्ता	बी.ए. भाग-दो
तनु कुमारी	बी.ए. भाग-दो
प्रियंका मणि	बी.ए. भाग-दो

प्रवेश समिति में उन छात्र-छात्राओं को चयनित किया जाता है जो विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में अपने वर्ग में सर्वोच्च अंक प्राप्त करते हैं।

कर्मचारी संघ

अध्यक्ष	श्री सुभाष कुमार
उपाध्यक्ष	श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव
महामंत्री	श्री झब्बर शर्मा
सदस्य	श्री विश्वनाथ
	श्री गौरव जायसवाल
	श्री विजय कुमार मिश्र
	श्री राम रतन

प्रयोगशाला छात्र समिति

डा. शिव कुमार बर्नवाल, सुश्री प्रियंका मिश्रा

अस्सिटेन्ट प्रोफेसर, रसायन, प्रभारी प्रयोगशाला समिति

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
सुश्री प्रियंका चौहान	बी.एस-सी. भाग-तीन
सुश्री खुश्बू	बी.एस-सी. भाग-तीन
सुश्री अराधना सिंह	बी.एस-सी. भाग-तीन
श्री बलवंत कुमार मौर्या	बी.ए. भाग-एक

छात्रा समिति

सुश्री मनीता सिंह

अस्सिटेन्ट प्रोफेसर, भौतिकी, प्रभारी छात्रा समिति, समन्वयक

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
सुश्री विन्दा साहनी	बी.एड.
सुश्री निखिता सिंह	बी.एस-सी. भाग-तीन
सुश्री गीता सिंह	बी.एस-सी. भाग-तीन
सुश्री निपा वर्मा	बी.काम. भाग-दो

स्वच्छता छात्र समिति

श्री विनय कुमार सिंह

अस्सिटेन्ट प्रोफेसर, प्राणि विज्ञान

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
श्री नीरज शुक्ला	बी.एस-सी. भाग-तीन
सुश्री निधि सिंह	बी.एस-सी. भाग-तीन
सुश्री रोशनी	बी.ए. भाग-एक
सुश्री काजल चौरसिया	बी.एड. प्रथम वर्ष

क्रीड़ा छात्र समिति

डा. मृत्युन्जय कुमार सिंह

क्रीड़ा अधीक्षक

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
श्री अनुपम त्रिपाठी	बी.काम. भाग-तीन
श्री मयंक तिवारी	बी.ए. भाग-दो
श्री संदीप प्रजापति	बी.ए. भाग-दो
श्री सौरभ जायसवाल	बी.एस-सी. भाग-एक
श्री बजरंग बली	बी.एस-सी. भाग-तीन
श्री मुकेश कश्यप	बी.ए. भाग-एक
सुश्री ज्योति पाण्डेय	बी.एस-सी. भाग-दो
श्री शिवम् मिश्रा	बी.काम. भाग-एक
श्री अंकित वर्मा	बी.एस-सी. भाग-एक

पुस्तकालय छात्र समिति

श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी

गणित विभाग

श्री गौरव कुमार जायसवाल

पुस्तकालयाध्यक्ष

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
श्री चन्द्रेश कुमार	बी.ए. भाग-दो
श्री अविनाश कुमार पाण्डेय	बी.एस-सी. भाग-एक
श्री आनंद चौरसिया	बी.ए. भाग-तीन
श्री किरन चौहान	बी.ए. भाग-तीन
काली शंकर पाण्डेय	बी.एस-सी. भाग-दो
कु. दीपिका यादव	बी.एस-सी. भाग-एक
श्री शुभम् पाण्डेय	बी.काम. भाग-तीन

सांस्कृतिक कार्यक्रम छात्र समिति

सुश्री दीप्ति गुप्ता

प्रभारी

श्रीमती कविता मान्ध्यान

सह प्रभारी

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
सुश्री मनीषा सिंह	बी.ए. भाग-तीन
सुश्री शशि गुप्ता	बी.ए. भाग-तीन
सुश्री मोनी शर्मा	बी.ए. भाग-तीन
सुश्री साक्षी मिश्रा	बी.एस-सी. भाग-एक

बागवानी छात्र समिति

सुश्री आम्रपाली वर्मा

वनस्पति विज्ञान विभाग

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
सुश्री अर्चना गुप्ता	बी.एस-सी. भाग-दो
श्री सोनू कुमार सिंह	बी.ए. भाग-तीन
श्री नवाब अंसारी	बी.एस-सी. भाग-एक
सुश्री श्वेता सिंह	बी.ए. भाग-एक
सुश्री कृष्णा यादव	एम.काम. भाग-एक
सुश्री मनीषा सिंह	बी.ए. भाग-तीन
सुश्री प्रियंका गुप्ता	बी.ए. भाग-एक

प्रार्थना छात्र समिति

श्री सुबोध कुमार मिश्र, प्रभारी

श्री गोविन्द कुमार वर्मा, सह प्रभारी

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
सुश्री राजनन्दिनी चौधरी	बी.एस-सी. भाग-एक
सुश्री राधिका चौहान	बी.ए. भाग-दो
सुश्री सीमा प्रजापति	बी.ए. भाग-एक
सुश्री वन्दना भारती	बी.ए. भाग-एक

आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ

नाम	पद
महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज प्रबन्धक	सदस्य
प्रो. यू.पी. सिंह बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य
प्रो. राम अचल सिंह बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य
डॉ. शेर बहादुर सिंह बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य
श्री मनीष कुमार दूबे पुरातन छात्र परिषद	सदस्य
डॉ. टी.एन. मिश्रा अभिभावक संघ	सदस्य
श्री गजेन्द्र प्रताप सिंह समाजसेवी	सदस्य
श्री ज्योति मस्करा उद्योगपति	सदस्य
डॉ. विजय कुमार चौधरी शिक्षक	सदस्य
डॉ. आर.एन. सिंह अनुशासन	सदस्य
डॉ. शिव कुमार बर्नवाल शिक्षक	सदस्य
डॉ. कविता मन्ध्यान शिक्षक	सदस्य
डॉ. राजेश कुमार शुक्ल शिक्षक	सदस्य
डॉ. अविनाश प्रताप सिंह शिक्षक	सदस्य
डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव शिक्षक	समन्वयक/सचिव
डॉ. प्रदीप कुमार राव प्राचार्य	अध्यक्ष

नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र

अध्यक्ष	परम पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज, प्रबन्धक	
निदेशक	डॉ. प्रदीप कुमार राव	प्राचार्य
शोध सहायक	डॉ. शुभ्रान्शु शेखर सिंह	प्रवक्ता, रक्षा अध्ययन
परामर्श समिति	डॉ. कृष्ण कुमार गौतम	काठमाण्डू (नेपाल)
	डॉ. काशीनाथ	बुद्ध टूरिज्म विश्वविद्यालय काठमाण्डू (नेपाल)
	श्री राकेश मिश्र	तराई पत्रकार काठमाण्डू (नेपाल)
	श्री सुरेश मल्ल	नेपाल
	श्रीमती नलिनी गयवाली	सामाजिक कार्यकर्ता (नेपाल)
	श्री दीपक अधिकारी	सामाजिक कार्यकर्ता काठमाण्डू (नेपाल)
	डॉ. हर्ष सिन्हा	दी.द.उ. गो. विश्वविद्यालय गोरखपुर (भारत)
	डॉ. रेनू सक्सेना	जामिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली (भारत)
	श्री अजीत कुमार	सामाजिक कार्यकर्ता (भारत)
	श्री हरेन्द्र प्रताप सिंह	सदस्य विधान परिषद, पटना, बिहार (भारत)
	श्री अरूण जी	सामाजिक कार्यकर्ता, नयी दिल्ली (भारत)

गुरु श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र

अध्यक्ष	महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज
निदेशक	डॉ. प्रदीप कुमार राव
शोध समन्वयक	श्री सुबोध कुमार मिश्र
परामर्श समिति	प्रो. यू.पी. सिंह
	प्रो. शिवाजी सिंह
	प्रो. कपिल कपूर
	डॉ. सन्तोष शुक्ला
	प्रो. अम्बिका दत्त शर्मा
	प्रो. मुरली मनोहर पाठक

हमारे प्रयास ...

- प्रात: सरस्वती वन्दना, प्रार्थना, वन्देमातरम, राष्ट्रगान एवं श्रीमद्भगवद्गीता के पाँच श्लोक के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ।
- प्रत्येक महापुरुष की जयन्ती अथवा पुण्यतिथि पर प्रार्थना सभा में उन पर संक्षिप्त परिचयात्मक उद्बोधन के साथ उन्हें श्रद्धांजलि।
- १६ जुलाई से स्नातक/स्नातकोत्तर द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ।
- १ अगस्त से स्नातक/स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ।
- प्रति वर्ष पाठ्यक्रम योजना का प्रकाशन एवं तद्नुरूप ३० जनवरी तक पाठ्यक्रम पूर्ण।
- १६ अगस्त से प्रयोगशालाएं शुरू।
- छात्रसंघ का चुनाव सितम्बर प्रथम सप्ताह तक।
- प्रवेश समिति में छात्र-छात्राएँ सदस्य एवं संयोजक।
- छात्र, छात्राओं, प्राध्यापक, कर्मचारी आदि द्वारा प्रत्येक शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान।
- सप्ताह में एक दिन छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापन।
- छात्र-छात्राओं का मासिक मूल्यांकन।
- महाविद्यालय प्रशासन में छात्र-छात्रा सहभाग अर्थात् नियन्ता मण्डल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम इत्यादि समितियों में छात्र सदस्य।
- विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों का गणवेश निर्धारित।
- छात्र-छात्राओं द्वारा शिक्षकों का मूल्यांकन, शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र द्वारा।
- फरवरी माह में विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा।
- विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में अपनी-अपनी कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं को पुस्तकालय की विशेष सुविधा, प्रवेश समिति की सदस्यता, उनकी उत्तर पुस्तिकाएं पुस्तकालय में अवलोकनार्थ रखा जाना।
- परीक्षा से पूर्व समावर्तन संस्कार (दीक्षान्त) समारोह का आयोजन।
- शिक्षकों द्वारा छात्र-छात्राओं को गोद लेने की प्रक्रिया।
- सत्र में दो बार शिक्षक-अभिभावक एवं पुरातन छात्र परिषद् की बैठक।
- प्रतिवर्ष अगस्त माह में साप्ताहिक राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला।
- नवम्बर माह में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता।
- प्रतिवर्ष 'विमर्श' (वार्षिक) एवं 'मानविकी' (अर्द्धवार्षिक) नामक शोध पत्रिकाओं का प्रकाशन।
- प्रत्येक सत्र में राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला का आयोजन।
- ग्रामीण महिलाओं के स्वालम्बन हेतु योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन।
- महाविद्यालय के समस्त छात्र/छात्राओं एवं ग्रामीण बच्चों हेतु नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण।
- गुरू श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र का संचालन।
- नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र का संचालन।
- हमारे महापुरुष, जीवन मूल्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम का संचालन।
- प्रत्येक विभाग द्वारा एक गाँव को गोद लेकर जनजागरण अभियान द्वारा संस्थागत सामाजिक दायित्व का निर्वहन।
- महन्त अवेद्यनाथ नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र का संचालन।

योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम

(महाविद्यालय छात्रावास)

प्रस्तावित, प्रथम खण्ड-भूतल तैयार